E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 187 | प्रयागराज, शनिवार 14 नवंबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया,कहा- वो घरेलू मामलों पर ध्यान दें,डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को ईरान के साथ शांति वार्ता से अलग कर दिया है। ट्रम्प ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर कहा कि वेंस अब अमेरिका के डेमोक्रेटिक पार्टी शासित राज्यों और शहरों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देंगे। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब ईरान के साथ किसी समझौते की जरूरत नहीं है। ट्रम्प ने इस साल की शुरुआत में ईरान के साथ बातचीत की जिम्मेदारी वेंस को दी थी। वेंस इस युद्ध के पक्ष में नहीं थे। अप्रैल में उन्होंने पाकिस्तान जाकर ईरानी नेताओं से कई घंटे बातचीत भी की थी, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। हाल ही में वेंस ने एक बार फिर ईरान से बातचीत शुरू करने की कोशिश की थी। उन्होंने कतर के जरिए ईरान के बड़े नेता मोहसिन रजाई को पत्र भेजा था। इसमें जल्द ही दोनों देशों के अधिकारियों की बैठक कराने का प्रस्ताव दिया गया था। वेंस ने यह भी कहा था कि वे अमेरिकी टीम की अगुआई करेंगे। लेकिन अब



ट्रम्प ने इस कोशिश को रोक दिया है। वेंस ने ईरान युद्ध को चुनावी हार की वजह बताया था:-अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। चुनाव के बाद वेंस ने पार्टी की हार के लिए ईरान युद्ध को जिम्मेदार बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'हमारी हार की वजह युद्ध है।' वेंस ने यह भी कहा था कि अगर किसी को लगता है कि युद्ध की वजह से अगले छह साल तक सीनेट का नियंत्रण गंवाना सही फैसला था, तो वह अपनी बात रख सकता है। वेंस के इस बयान को ट्रम्प प्रशासन की युद्ध नीति की आलोचना माना गया था। हालांकि, ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें वेंस की बातों से कोई नाराजगी नहीं है। उन्होंने कहा था कि भले ही कई लोगों को वेंस की टिप्पणी पसंद नहीं आई, लेकिन उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं है। अब डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करेंगे वेंस:- ट्रम्प ने वेंस को डेमोक्रेटिक पार्टी के शासन वाले शहरों और राज्यों में भ्रष्टाचार और अपराध की जांच पर ध्यान देने को कहा है। अमेरिका के मिनेसोटा राज्य में धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वेंस का कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिकी देशों का दौरा भी रद्द कर दिया गया है। इस दौरे में डोमिनिकन रिपब्लिक, कोलंबिया, अर्जेंटीना और चिली जाना शामिल था।अधिकारियों के मुताबिक, इस दौरे की तैयारी अक्टूबर से चल रही थी। पहले डोमिनिकन रिपब्लिक का दौरा रद्द हुआ और फिर बाकी देशों की यात्रा भी रोक दी गई।

ये सभी देश ट्रम्प प्रशासन के करीबी माने जाते हैं। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अब भी तनाव जारी:- अमेरिका और ईरान के बीच बड़े सैन्य हमले फिलहाल रुके हुए हैं, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण को लेकर भी टकराव जारी है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अमेरिकी रक्षामंत्री को डांटने वाले सैनिक को मेडल,युद्ध स्मारक पर रक्षामंत्री की टीम को चुप रहने कहा था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को डांटने वाले सैनिक को खुद उन्होंने मेडल देकर सम्मानित किया है। सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने 11 नवंबर को वेटरन्स डे के मौके पर युद्ध स्मारक के पास हेगसेथ और उनकी टीम को चुप रहने की हिदायत दी थी। उस समय टीम के कुछ लोग आपस में बात कर रहे थे और हंस रहे थे। गुरुवार को पेंटागन में हेगसेथ ने इग्लेसियस को जॉइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल दिया। हेगसेथ ने सम्मान समारोह की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'हम अपने सैनिकों से प्यार करते हैं। हमें अनुशासन और तय मानकों पर गर्व है। शाबाश स्पेशलिस्ट, अपना काम जारी रखो।' यह घटना बुधवार को अमेरिका के सालाना वेटरन्स डे के मौके पर हुई थी। इस दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ अर्लिंगटन नेशनल कब्रिस्तान पहुंचे थे। यहां शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए



कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के बाद हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर औरतीन सलाहकार रिकी बुरिया, टैमी राडाबॉ और पैट्रिक वीवर के साथ अज्ञात सैनिक की समाधि (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) के सामने तस्वीरें खिंचवा रहे थे। इसी दौरान समूह में से किसी के हंसने की आवाज आई। कुछ लोग आपस में बात भी कर रहे थे। वहां ड्यूटी पर तैनात सैनिक थॉमस इग्लेसियस ने उन्हें तुरंत टोका। उन्होंने आवाज लगाकर कहा, 'सभी लोग हर समय शांति और सम्मान बनाए रखें।' इस घटना का वीडियो भी सामने आया था। पेंटागन ने भी सैनिक के व्यवहार का समर्थन किया:- वीडियो सामने आने के बाद पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने सैनिक का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि सैनिक ने सही और सम्मानजनक तरीके से सभी को वहां शांति बनाए रखने की याद दिलाई। यह अमेरिका के सबसे सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक है। यहां उन सैनिकों को दफनाया गया है, जिनकी युद्ध में मौत के बाद पहचान नहीं हो सकी थी। इनमें प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में मारे गए सैनिक शामिल हैं। इस स्मारक की सुरक्षा अमेरिकी सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट करती है। इसे 'द ओल्ड गार्ड' भी कहा जाता है।

1948 से यहां दिन-रात सैनिक पहरा दे रहे हैं। यहां तैनात सैनिकों की जिम्मेदारी सिर्फ स्मारक की सुरक्षा करना नहीं है। उन्हें यह भी सुनिश्चित करना होता है कि वहां आने वाले लोग शांति और सम्मान बनाए रखें। इसलिए स्मारक के पास तेज आवाज में बात करना या हंसना मना है।

भारत के रईस अंटार्कटिका की बर्फीली झीलें देखने जा रहे,फिनलैंड के जंगल, नॉर्दर्न लाइट्स पहली पसंद बने

फिनलैंड। महंगी कार, डिजाइनर घड़ी और ब्रांडेड कपड़े



अब अमीरी दिखाने के लिए काफी नहीं रह गए हैं। भारत के रईस अब ऐसे अनुभवों पर लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं, जिन्हें हासिल करना हर किसी के लिए आसान नहीं है। कोई अंटार्कटिका की बर्फीली दुनिया देखने जा रहा है, तो कोई फिनलैंड के जंगलों में निजी ठिकानों पर छुट्टियां बिता रहा है। कुछ लोग बर्फ से ढकी झीलों पर सुपरकार चलाने और आसमान में नॉर्दर्न लाइट्स देखने के लिए विदेश जा रहे हैं। अमीरी का नया पैमाना अब यह बन रहा है कि कोई व्यक्ति कितना खास और अनूठा अनुभव हासिल कर सकता है। ट्रैवल कंपनियों के मुताबिक, कई अमीर परिवार दुनिया के मशहूर पर्यटन स्थलों की सैर पहले ही कर चुके हैं। अब वे ऐसी जगहों की तलाश में हैं, जहां कम लोग पहुंच पाते हैं और जहां का अनुभव जिंदगी भर याद रहे। अंटार्कटिका की दो हफ्ते की यात्रा पर 45 लाख तक खर्च:- भारतीय अमीरों के बीच अंटार्कटिका की यात्रा का आकर्षण बढ़ रहा है। यहां दो सप्ताह की यात्रा के लिए प्रति व्यक्ति 40 से 45 लाख रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। इस दौरान पर्यटक बर्फ से ढके पहाड़, विशाल ग्लेशियर और बर्फीले समुद्र को करीब से देख सकते हैं। कुछ लोग पेरू में प्राचीन इंका सभ्यता से जुड़े स्थल देखने जा रहे हैं, तो कुछ चिली के अंगूर के बागों में शेफ के साथ खास भोजन का अनुभव ले रहे हैं। ट्रैवल कंपनियों का कहना है कि अमीर ग्राहकों का सवाल अब यह नहीं होता कि अगली छुट्टी कहां बितानी है, बल्कि यह होता है कि ऐसा क्या नया किया जाए, जो पहले कभी नहीं किया। फिनलैंड के जंगल और नॉर्दर्न लाइट्स पहली पसंद:-फिनलैंड के बर्फीले जंगल भारतीय अमीर परिवारों की पसंद बन रहे हैं। यहां लोग जंगलों के बीच बने निजी ठिकानों पर रुकते हैं। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

यूएई के पास तेल टैंकर पर फिर हमला,19 भारतीय सवार सुरक्षित

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के पास बुधवार को कच्चे तेल से भरे एक टैंकर पर हमला हुआ। जहाज पर 19



भारतीय नाविकों समेत कुल 22 लोग सवार थे। यूएई कोस्ट गार्ड ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार जहाज की मैनेजमेंट कंपनी के संपर्क में है। हमले का शिकार हुआ जहाज लाइबेरिया के झंडे वाला था। इसका नाम एमटी डोमिनिका प्रॉस्पेरिटी है। यह यूएई के मीना साकर तट के पास था। पश्चिम एशिया में 8 महीने में 15 भारतीय नाविकों की मौत:- पश्चिम एशिया में 28 फरवरी 2026 को संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक 15 भारतीय नाविकों की मौत हो चुकी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 3 नवंबर को इसकी जानकारी दी थी। उनके मुताबिक, इस संघर्ष में अब तक कुल 23 भारतीय नागरिकों की जान गई थी, जिनमें 15 नाविक शामिल थे। खाड़ी क्षेत्र में जहाजों पर 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविक:- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया था कि खाड़ी क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं। उन्होंने बताया था कि शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावास स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में नाविकों की सुरक्षा पर चिंता जताई थी:- विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा की 81वीं बैठक में व्यावसायिक जहाजों और नाविकों पर हमलों को लेकर चिंता जताई थी। जयशंकर ने कहा था:- 'समुद्र में नए खतरे पहले से मौजूद जमीन से जुड़े संकटों को और बढ़ा रहे हैं। भारतीय नाविकों के साथ दूसरे देशों के नाविकों की भी जान गई है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है।'

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन पर अब तीसरे अफेयर का आरोप,परसों ही इस्तीफा दिया

हॉन्ग कॉन्ग। दुनिया की सबसे बड़ी एआई चिप कंपनी एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेन्सन



हुआंग को लेकर एक और खुलासा सामने आया है। रॉयटर्स के मुताबिक, हुआंग का एक और महिला कर्मचारी के साथ रिश्ता था। इस महिला का नाम नहीं बताया गया है। अब तक कुल 3 महिलाओं के साथ जेन्सन के रिश्ते सामने आ गए हैं। चीनी महिला एलिस और एनवीडिया की ही एक कर्मचारी किम्बर्ली से उनके रिश्तों का खुलासा पहले ही हो चुका है। रॉयटर्स ने मामले से जुड़े 2 लोगों के हवाले से कहा है कि हुआंग का एक और महिला कर्मचारी से भी रिश्ता था। यह महिला कौन है, अभी नहीं बताया गया है। एनवीडिया ने भी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इससे पहले 12 नवंबर को जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी जगह कंपनी की चीफ फाइनेंस ऑफिसर और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट कॉलिट क्रेस को अंतरिम सीईओ की जिम्मेदारी दी गई है। एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चलते विवादों में आए जेन्सन के कारण एनवीडिया की वैल्यू 5.5 ट्रिलियन डॉलर से घटकर 4 ट्रिलियन डॉलर के आसपास आ गई है। वॉल स्ट्रीट जर्नल का दावा- जेन्सन ने इस्तीफा नहीं दिया, उन्हें हटाया गया:-वॉल स्ट्रीट जर्नल का कहना है कि जेन्सन हुआंग ने खुद इस्तीफा नहीं दिया, बोर्ड ने उन्हें हटाने का फैसला किया था। 11 नवंबर की रात बोर्ड की इमरजेंसी मीटिंग हुई थी। इसमें 11 में से 10 डायरेक्टर हुआंग को हटाने के पक्ष में थे। कंपनी ने आधिकारिक बयान में सिर्फ इस्तीफा लिखा है, वजह नहीं बताई। एफबीआई की एंट्री, जेन्सन की 18 नवंबर को संसद में पेशी:-अब तक सिर्फ एनवीडिया की अंदरूनी जांच चल रही थी। अब एफबीआई ने भी अपनी अलग जांच शुरू कर दी है। यह जांच 2 बातों पर है - क्या एलिस हुआंग ने चिप्स चीन पहुंचाईं।क्या हुआंग से कोई सीक्रेट जानकारी ली गई। न्याय विभाग भी एलिस से जुड़ी कई जांच कर रहा है। एनवीडिया की कमाई के नतीजे 17 नवंबर को आएंगे।

इसके दूसरे ही दिन 18 नवंबर को हुआंग को अमेरिकी संसद में बंद कमरे में ब्रीफिंग के लिए बुलाया गया है। जेन्सन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ तक घटी:-एलिस-जेन्सन के संबंधों और जासूसी मामले की जांच शुरू होने के बाद से एनवीडिया के शेयर 5फीसदी तक गिर चुके हैं। जेन्सन की संपत्ति 6.92 लाख करोड़ रु. तक घट चुकी है। जेन्सन फोर्ब्स की अमीरों की सूची में दो स्थान खिसककर 10वें पर आ गए हैं। इस उथल-पुथल के बीच निवेशक 17 नवंबर को आने वाले कंपनी के तिमाही नतीजों पर नजर टिकाए हुए हैं।

न्यूयॉर्क में 96 साल पुरानी इमारत ढही, 8 की मौत,बगल के प्लॉट में खुदाई चल रही थी

वॉशिंगटन डीसी। न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन में बुधवार को 96 साल



पुरानी तीन मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हैं। घायलों में 7 बच्चे भी शामिल हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। हादसे के बाद करीब 250 राहतकर्मी बचाव अभियान में जुटे हैं। बचावकर्मियों ने मलबे से एक गर्भवती महिला और एक बच्चे को भी सुरक्षित बाहर निकाला। हादसा ब्रुकलिन के फ्लैटबुश इलाके में हुआ। गिरने वाली इमारत के ठीक बगल वाले प्लॉट में निर्माण कार्य चल रहा था। वहां पहले एक पुरानी इमारत को तोड़ा गया था और नई इमारत बनाने के लिए जमीन की गहरी खुदाई की जा रही थी। इसी दौरान पास की तीन मंजिला इमारत अचानक ढह गई। अप्रैल में नियम तोड़ने का मामला सामने आया था:-स्थानीय न्यूज चैनल के मुताबिक न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के रिकॉर्ड में इसी निर्माण स्थल पर अप्रैल में नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ था। आरोप था कि काम रोकने का आदेश मिलने के बावजूद वहां निर्माण कार्य जारी रखा गया। यह वही जगह थी, जिसके बगल में तीन मंजिला इमारत ढही। हालांकि, अधिकारियों ने अभी तक पुराने उल्लंघन और इस हादसे के बीच किसी सीधे संबंध की पुष्टि नहीं की है। खोजी कुत्तों और ड्रोन की तलाश जारी:- हादसे के बाद दमकल विभाग की करीब 250 लोगों की टीम बचाव अभियान में लगाई गई। दमकलकर्मियों ने मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद ली। शाम करीब 6:30 बजे बचावकर्मियों को मलबे में बने एक गड्ढे से एक व्यक्ति जिंदा मिला। दमकलकर्मियों ने उसे एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों के मुताबिक, अभी यह पता नहीं है कि कुल कितने लोग लापता हैं। दमकल विभाग की प्रमुख लिलियन बोनसिग्नोर ने बताया कि दूसरी इमारत गिरने का खतरा भी है। इसलिए बचाव अभियान में काफी सावधानी बरती जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अभियान कई दिनों तक चल सकता है।

हादसे के बाद आसपास की इमारतों की जांच शुरू:- हादसे के बाद न्यूयॉर्क के बिल्डिंग डिपार्टमेंट के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास की इमारतों की जांच शुरू की। हादसे में बगल की इमारत की एक दीवार पूरी तरह टूट गई थी। प्रशासन ने प्रभावित लोगों की मदद के लिए सहायता केंद्र भी बनाया है। मेयर जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर कहा कि राहत और बचाव अभियान जारी है। उन्होंने हादसे से प्रभावित परिवारों और स्थानीय लोगों के प्रति संवेदना जताई।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग-1 की मौत,हमलावर ने जिम में घुसकर चलाईं गोलियां, खुद को भी गोली मारी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस से करीब 1.6 किमी दूर गुरुवार सुबह गोलीबारी हुई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। गोलीबारी करने वाले हमलावर ने भी खुद को गोली मारकर जान दे दी। अमेरिकी न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, गोलीबारी की शुरुआत एक फिटनेस सेंटर के अंदर हुई। हमलावर ने पहले जिम में एक व्यक्ति को गोली मारी। इसके बाद वह बाहर निकलकर फायरिंग करने लगा। उसने एक पार्किंग गैराज में भी गोलियां चलाईं। वहां एक व्यक्ति को गोली लगी। घटना के बाद इलाके में भगदड़ जैसे हालात बन गए। लोग जान बचाने के लिए दुकानों और घरों में छिपते नजर आए। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और लोगों को सुरक्षित जगहों पर रहने की सलाह दी। अपार्टमेंट बिल्डिंग से विवाद की आशंका:- पुलिस का मानना है कि हमलावर का अपार्टमेंट बिल्डिंग के होमओनर्स एसोसिएशन (एचओए) से किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। एचओए किसी रिहायशी इमारत या सोसाइटी के मालिकों की संस्था होती है, जो वहां के नियमों और



रखरखाव से जुड़े फैसले लेती है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक गोलीबारी के पीछे की असली वजह की पुष्टि नहीं की है। जांच अधिकारी इस बात का पता लगा रहे हैं कि विवाद किस बात को लेकर था और हमलावर ने गोलीबारी क्यों की। एफबीआई और दूसरी एजेंसियां जांच में जुटीं:-गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। अमेरिकी संघीय एजेंसी एटीएफ ने भी अपने अधिकारियों को जांच में मदद के लिए भेजा। एफबीआई के वॉशिंगटन ऑफिस ने भी स्थानीय पुलिस की जांच में सहयोग किया। पुलिस ने आसपास की सड़कों को बंद कर दिया था। इलाके में स्वाट टीम और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी भी तैनात किए गए। जांच के दौरान लोगों को घटनास्थल से दूर रहने के लिए कहा गया। जिम में योग कर रहे लोग लॉन्ड्री रूम में छिपे:-गोलीबारी के समय जिम में योग की क्लास चल रही थी। वहां मौजूद विक्टोरिया स्टैफोर्ड ने सीएनएन को बताया कि क्लास शुरू होने के करीब 45 मिनट बाद उन्हें बहुत तेज आवाज सुनाई दी। पहले उन्हें लगा कि किसी ने जिम में भारी वजन गिराया है। लेकिन तभी इंस्ट्रक्टर ने क्लास रोक दी और सभी लोगों से अपना सामान छोड़कर बाहर निकलने को कहा। इसके बाद विक्टोरिया और दूसरे लोग जिम के लॉन्ड्री रूम में छिप गए। जिम के कर्मचारियों ने दरवाजे को अंदर से बंद कर दिया। विक्टोरिया के पास फोन नहीं था, इसलिए वह अपनी स्मार्टवॉच से परिवार और दोस्तों को मैसेज करने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने बताया कि लॉन्ड्री रूम में छिपकर बिताया गया हर पल बहुत लंबा लग रहा था। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की जासूसी करने की कोशिश,पूर्व राष्ट्रपति के करीबी लोग गिरफ्तार

जकार्ता। इंडोनेशिया में राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का फोन टैप करके जासूसी की कोशिश की गई है। इस मामले में पूर्व पुलिस प्रमुख लिस्त्यो सिगित समेत तीन वरिष्ठ अधिकारियों



को गिरफ्तार किया गया है। ये लोग पूर्व राष्ट्रपति जोको विडोडो यानी जोकोवी के करीबी माने जाते हैं। इसी बीच गुरुवार को जोकोवी के बेटे और उपराष्ट्रपति गिब्रान राकाबुमिंग राका ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनकी पढ़ाई से जुड़े दस्तावेजों पर सवाल उठ रहे थे। गिब्रान के खिलाफ महाभियोग चलाने की तैयारी भी शुरू हो गई थी। बड़े नेता और अधिकारियों की भी जासूसी हो रही थी:- इंडोनेशिया के पुलिस प्रमुख जनरल सुयुडी आरियो सेटो ने संसद में बताया कि राष्ट्रपति के अलावा कई बड़े नेताओं, सरकारी अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के फोन और बातचीत की भी गैरकानूनी तरीके से निगरानी की गई थी। पुलिस का आरोप है कि राष्ट्रपति की फोन बातचीत की रिकॉर्डिंग मिटाने की कोशिश भी हुई। जासूसी 2025 से 2026 के बीच हुई। उस समय लिस्त्यो देश के पुलिस प्रमुख थे। जांच में यह भी पता चला है कि पुलिस के कानूनी विभाग के प्रमुख अहरी सौता नसुतियोन ने अक्टूबर में राष्ट्रपति की फोन बातचीत की रिकॉर्डिंग मिटाने की इजाजत मांगी थी। आरोप है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्लामेत उलियांडी ने इसकी मंजूरी दी और रिकॉर्डिंग हटा दी। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि जोकोवी राष्ट्रपति की जासूसी कराने में शामिल थे या नहीं। वह इस मामले में वे फिलहाल आरोपी भी नहीं हैं। जासूसी मामले के बाद राजधानी में 20 हजार सैनिक तैनात:- मामले के सामने आने के बाद सरकार ने राजधानी जकार्ता में एहतियात के तौर पर 20 हजार सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है।आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..









वल्नरेबल क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण कर संवेदनशील मतदाताओं का करें चिन्हीकरण, लापरवाही पर होगी जवाबदेही तय- जिलाधिकारी चर्चित गौड़

भयमुक्त एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, सेक्टर अधिकारी समयबद्ध प्रस्तुत करें तथ्यपरक रिपोर्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 की तैयारियों के दृष्टिगत वल्नरेबिलिटी मैपिंग (संवेदनशीलता मानचित्रण) के संबंध में सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण दो पालियों में संपन्न हुआ। प्रथम पाली में ओबरा एवं घोरावल विधानसभा क्षेत्रों तथा द्वितीय पाली में दुद्धी एवं रॉबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्रों के सेक्टर अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं वल्नरेबिलिटी मैपिंग मैनुअल के अनुरूप संवेदनशील क्षेत्रों, मतदाताओं एवं मतदान प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले व्यक्तियों के चिन्हीकरण तथा प्रभावी निरोधात्मक एवं विधिक कार्रवाई के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्देशित किया कि सभी सेक्टर अधिकारी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण कर वल्नरेबिलिटी मैपिंग की कार्यवाही पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सुनिश्चित करें। ऐसे मतदाताओं अथवा मतदाताओं के समूहों को चिन्हित किया जाए, जिन्हें मतदान के दौरान किसी भी प्रकार के भय, दबाव अथवा प्रलोभन दिए जाने की आशंका हो। साथ ही, ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक एवं विधिक कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 एवं लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दौरान चिन्हित वल्नरेबल क्षेत्रों, पूर्व में प्राप्त शिकायतों तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी वल्नरेबिलिटी मैपिंग मैनुअल में उल्लिखित सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मैपिंग की कार्यवाही की जाए। क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर निर्धारित प्रारूप में स्पष्ट एवं तथ्यपरक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक मतदाता को बिना किसी भय, दबाव अथवा बाधा के अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्री वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) श्री रोहित यादव, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी श्री जगरूप सिंह पटेल सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।







बिशप जॉनसन स्कूल का 50वां स्थापना दिवस शिष्टता व सुरुचिपूर्ण तरीके से मनाया गया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। प्रयागराज के प्रतिष्ठित बिशप जॉनसन स्कूल का 50वां स्थापना दिवस सिविल लाइंस स्थित पत्थर गिरजाघर में शिष्टता व सुरुचिपूर्ण तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम बिशप मॉरिस एडगर दान और प्रिंसिपल एन विशाल सिंह के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। इस अवसर पर स्कूल के सभी विद्यार्थी समेत वहां के सभी शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा। विद्यालय के 50वें वर्ष के गौरवशाली सफर को याद करते हुए आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रयागराज में नशे के कारोबार पर पुलिस कमिश्नर की बड़ी कार्रवाई, ताड़बाग में सुबह-सुबह छापेमारी,

धूमनगंज थाना क्षेत्र में पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने खुद संभाली कमान, स्मैक बेचने के आरोप में कई महिला-पुरुष पकड़े गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने बड़ी कार्रवाई की है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के ताड़बाग इलाके में गोपनीय जांच के बाद पुलिस कमिश्नर ने सुबह-सुबह खुद छापेमारी कर नशे के कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान स्मैक बेचने के आरोप में कई महिला और पुरुषों को पकड़ा गया है। मौके से भारी मात्रा में स्मैक बरामद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस की इस कार्रवाई से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया।



से इलाके में नशे के कारोबार बताया जा रहा है कि पकड़े गए लोगों से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े माफिया, सप्लायर और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि स्मैक की आपूर्ति कहां से होती थी और इस कारोबार में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस कमिश्नर की इस कार्रवाई को प्रयागराज में नशे के अवैध कारोबार पर शिकंजा कसने की दिशा में बड़ी पहल माना जा रहा है। पुलिस की जांच आगे बढ़ने के साथ नशे के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आने की संभावना है।

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ



के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक बाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों



की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी



ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अमित कुमार, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

छठ पर्व को लेकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

छठ घाटों पर सफाई, प्रकाश एवं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें अधिकारी, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश, मगरमच्छ की आशंका वाले घाटों पर जाल एवं सुरक्षा के विशेष प्रबंध करने के निर्देश, श्रद्धालुओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आगामी 14 एवं 15 नवम्बर 2026 को जनपद में मनाए जाने वाले डाला छठ पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त उप जिलाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी तथा समस्त खंड विकास अधिकारी ऑनलाइन जुड़े रहे। जिलाधिकारी ने तहसीलवार छठ पूजा घाटों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया गया कि तहसील ओबरा में 60, दुद्धी में 65, रॉबर्ट्सगंज में 33 तथा घोरावल में 30 प्रमुख घाट चिह्नित किए गए हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी घाटों का स्वयं निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, पहुंच मार्ग, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं तत्काल सुनिश्चित कराई जाएं, ताकि व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों एवं पुलिस उपाधीक्षकों को निर्देश दिए कि अपने-अपने क्षेत्रों के संवेदनशील घाटों का संयुक्त रूप से निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लें। ओबरा क्षेत्र में रेणु एवं सोन नदी के घाटों पर विशेष टीम गठित कर निरीक्षण कराने तथा आवश्यकतानुसार सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। घोरावल क्षेत्र के जिन पोखरों, नदियों एवं जलाशयों में मगरमच्छ की उपस्थिति की आशंका रहती है, वहां विशेष सतर्कता बरतने तथा संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर उपयुक्त जाल एवं अन्य सुरक्षा उपाय सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रभागीय वनाधिकारी, ओबरा, रेनुकूट एवं कैमूर वन्यजीव प्रभाग को अपने क्षेत्र के छठ पूजा घाटों का निरीक्षण कराते हुए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा गया, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि अथवा अप्रिय घटना की संभावना न रहे। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी एवं समस्त अधिशासी अधिकारियों को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं पहुंच मार्गों को दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त उप जिलाधिकारियों एवं पुलिस उपाधीक्षकों को निर्देशित किया कि पूजा स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करते हुए अवांछित तत्वों पर सतर्क निगरानी रखी जाए। जिलाधिकारी श्री चर्चित गौड़ ने निर्देशित किया है कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय एवं पूर्ण सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा घाटों पर पाई जाने वाली कमियों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित कराएं, जिससे जनपद में डाला छठ का पर्व शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सकुशल सम्पन्न हो सके।



हत्या के अभियोग से सम्बन्धित 01 अभियुक्त गिरफ्तार व 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया, कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, खाली शराब की बोतल आदि बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त फूलपुर के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना बहरिया पर पंजीकृत मु0अ0सं0-178/26 धारा-103(1) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित 01 वांछित अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल पुत्र भइया राम निवासी अहियापुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना बहरिया पुलिस टीम द्वारा दिनांक-12.11.2026 को थाना फूलपुर क्षेत्रान्तर्गत बरना स्थित एच0पी0 पेट्रोल पम्प के पास से गिरफ्तार किया गया व 01 बाल अपचारी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। उपरोक्त अभियुक्त व बाल अपचारी के कब्जे/निशांदेही से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वाहन सं0-यूपी-70 एचपी-2113 व घटना के समय अभियुक्त द्वारा प्रयोग 01 जोड़ी जूते, 01 शराब की खाली बोतल (8 पीएम) 375 एमएल व 01 पैन्ट ग्रे रंग की बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी/बरामदगी के पश्चात नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी। उल्लेखनीय है कि मुकदमा वादी उदय सिंह पटेल पुत्र स्व0 सालिक राम पटेल निवासी ग्राम बटहा थाना मऊआइमा कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा तहरीर दी गयी कि दिनांक 08.11.2026 की शाम को उनके भाई राम दुलार को भूपेन्द्र कुमार अपने साथ ले गया था, जिसकी अगले दिन 09.11.2026 को यह जानकारी मिली कि अज्ञात लोगों



द्वारा उनकी हत्या कर शव को थाना बहरिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सारीपट्टी के एक खेत में फेंक दिया गया है, जिस संबंध में मुकदमा वादी द्वारा भूपेन्द्र कुमार पर भाई की हत्या करने की आशंका जताते हुए दी गयी तहरीर के आधार पर थाना बहरिया पर मु0अ0सं0-178/26 धारा 103(1) भा0न्या0सं0 पंजीकृत किया गया था। पूछताछ का विवरण-गिरफ्तार अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल से पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया कि अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल की बहन (मृतक की पत्नी) की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण वह अपनी ढाई बिस्वा जमीन बेचकर बड़े बेटे शिवा के इलाज और बेटी कविता की शादी करना चाहती थी, जिसका जीजा (मृतक) लगातार विरोध करता था और घर पर अक्सर शराब पीकर बहन व बच्चों को मारता-पीटता था, इसी पारिवारिक कलह और जमीन न बेचने की जिद से आजिज आकर अभियुक्त भूपेन्द्र कुमार पटेल उपरोक्त ने अपने बाल अपचारी मित्र के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से शराब के ठेके पर अंग्रेजी शराब पीने के बाद ठेके के पास से 50 रुपये में लाल रंग की नायलॉन की डोरी खरीदी और खेत में ले जाकर जीजा (मृतक) के गले में डोरी कसकर तथा मुंह दबाकर उनकी हत्या कर दी। थाना बहरिया पुलिस द्वारा निशांदेही पर घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, खाली शराब की बोतल आदि बरामद कर लिया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-भूपेन्द्र कुमार पटेल पुत्र भइया राम निवासी अहियापुर थाना फूलपुर कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 23 वर्ष। सम्बन्धित अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0-178/26 धारा-103(1) भा0न्या0सं0 थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। बरामदगी का विवरण-घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल वाहन सं0-यूपी-70 एचपी 2113, घटना के समय अभियुक्त द्वारा प्रयोग 01 जोड़ी जूते, 01 शराब की खाली बोतल (8 पीएम) 375एमएल व 01 पैन्ट ग्रे रंग की। गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम- 1. थानाध्यक्ष मानवेन्द्र कुमार सिंह, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 2. व0उ0नि0 अमित कुमार सिंह, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 3. उ0नि0 मारुती नन्दन तिवारी, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 4. उ0नि0 भप्पी सोनी, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 5. उ0नि0 बालकेश, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 6. बाल कल्याण अधिकारी म0उ0नि0 रिचा वर्मा, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 7. का0 अखिलेश यादव, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज। 8. रि0का0 प्रिंस कुमार, थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज।

जनगणना-2027 के द्वितीय चरण में 16 से 30 नवम्बर तक स्व-गणना, जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपदवासियों से की सक्रिय सहभागिता की अपील

जनपद में जनसंख्या गणना के लिए 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित, 4,428 कार्मिकों की तैनाती; सभी कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत सरकार के निर्देशानुसार जनगणना-2027 का कार्य दो चरणों में संपन्न कराया जा रहा है। प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण का कार्य 22 मई से 20 जून, 2026 तक सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। अब द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इसके अंतर्गत जनपदवासी 16 नवम्बर से 30 नवम्बर, 2026 तक आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर स्वयं अपने एवं अपने परिवार के सदस्यों की जानकारी दर्ज कर सकेंगे। स्व-गणना की प्रक्रिया के तहत सर्वप्रथम आधिकारिक पोर्टल पर जाकर अपनी भाषा का चयन करते हुए मोबाइल नंबर के माध्यम से पंजीकरण करना होगा। इसके बाद परिवार के निवास स्थान का सत्यापन कर निर्धारित 40 प्रश्नों के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों की जानकारी सावधानीपूर्वक भरनी होगी। सभी विवरणों की जांच करने के बाद जानकारी सबमिट करनी होगी। स्व-गणना पूर्ण होने के उपरांत प्राप्त पहचान संख्या को सुरक्षित रखना होगा तथा प्रगणक के घर पहुंचने पर उन्हें उपलब्ध कराना होगा, जिससे दर्ज की गई जानकारी का आवश्यक सत्यापन किया जा सके। जनगणना कार्यक्रम के अनुसार 01 दिसम्बर, 2026 से 04 जनवरी, 2027 तक प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर जनसंख्या गणना का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 05 जनवरी से 09 जनवरी, 2027 तक पुनरीक्षण का कार्य संपन्न कराया जाएगा। जनपद में 16 चार्ज अधिकारी नामित, 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित- जनपद सोनभद्र में जनगणना-2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए कुल 16 चार्ज अधिकारी नामित किए गए हैं, जिनमें 04 ग्रामीण एवं 12 नगरीय चार्ज शामिल हैं। पूरे जनपद में कुल 4,469 गणना ब्लॉक निर्धारित किए गए हैं। इस कार्य के लिए कुल 4,428 कार्मिकों की तैनाती की गई है, जिनमें 3,781 प्रगणक एवं 647 सुपरवाइजर शामिल हैं। जनगणना कार्य को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित कार्मिकों का प्रशिक्षण पूर्ण कराया जा चुका है। प्रशिक्षण कार्य के लिए 02 मास्टर ट्रेनर एवं 68 फील्ड ट्रेनर भी नियुक्त किए गए हैं। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से स्व-गणना में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की:-जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने समस्त जनपदवासियों से अपील की है कि जनगणना-2027 के इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें तथा 16 से 30 नवम्बर, 2026 तक आधिकारिक स्व-गणना पोर्टल se.census.gov.in पर जाकर स्वयं अपने एवं अपने परिवार की सही एवं पूर्ण जानकारी दर्ज करें। उन्होंने कहा कि स्व-गणना के उपरांत प्राप्त पहचान संख्या को सुरक्षित रखें तथा घर पहुंचने वाले प्रगणकों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं। जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है,

जिसमें प्रत्येक परिवार की सहभागिता आवश्यक है। अतः सभी जनपदवासी प्रशासन को सहयोग प्रदान करते हुए जनगणना कार्य को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

नन्हे हाथों के बड़े संकल्प सेक्टर-105 के मासूम सितारे गढ़ रहे हैं स्वच्छ और स्वर्णिम भारत की तस्वीर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जब नन्हे कदम समाज



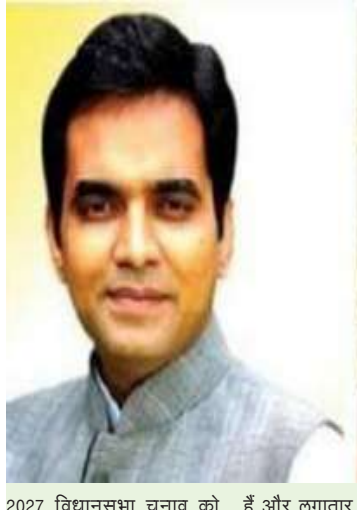
को राह दिखाने निकलते हैं, तो हर मुश्किल आसान लगने लगती है। इस बाल दिवस पर नोएडा का सेक्टर-105 अपने उन मासूम बच्चों पर गर्व कर रहा है, जो अपनी कोमल उम्र में ही समाज और देश का मान बढ़ा रहे हैं। ?एक ओर जहाँ स्टेप बाय स्टेप स्कूल के पाँच होनहार बच्चे–प्रशस्त कुमार, तिष्या पुरी, शिवनंदिनी धौल, यशवी टंडन और कबीर सिंह दयाल–हर महीने अपने नन्हे हाथों से झाड़ू थामकर सेक्टर को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने की अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सेक्टर-105 (निवासी ए-56, सेक्टर-106) के मात्र साढ़े दस वर्षीय बाल निशानेबाज़ धनंजय नेहरा (सुपुत्र श्री समीर नेहरा) ने स्टेट और ओपन नेशनल में क्वालीफाई करते हुए दिसंबर में होने वाली 'नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2026' में अपनी जगह पक्की कर पूरे शहर का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया है। धनंजय ने हाल ही में 2 से 5 नवंबर 2026 तक मोदीनगर में आयोजित 'वी3एस शूटिंग क्लब चैंपियनशिप' की सब-यूथ श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए एनआर (एनआर) और आईएसएसएफ दोनों ही वर्गों में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने नोएडा में आयोजित 'शूटिंग गुरु चैंपियनशिप 2026' के अंडर-12 वर्ग में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। स्वच्छता के इन नन्हे दूतों का हौसला बढ़ाने के लिए स्वयं नोएडा प्राधिकरण के जीएम श्री ए. वेः. अरोड़ा जी और जनस्वास्थ्य विभाग के जीएम श्री आर. एस. यादव जी भी समय-समय पर इनके बीच पहुँचते रहे और आशीर्वाद देते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 वेः अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने भावुक होकर कहा कि जिस उम्र में बच्चे केवल खिलौनों से खेलते हैं, उस उम्र में हमारे क्षेत्र के ये नन्हे सितारे स्वच्छता की मशाल और राष्ट्रीय खेलों के पदक थामकर पूरे समाज को आईना दिखा रहे हैं।

जब बच्चों की नीयत इतनी पवित्र और संकल्प इतना अटल हो, तो देश का भविष्य निसंदेह सबसे सुरक्षित और उज्ज्वल हाथों में है। ?पूरा सेक्टर-105 परिवार आज अपने इन नन्हे चैंपियनों की मासूमियत, समर्पण और उपलब्धियों को सलाम करते हुए इनके उज्ज्वल भविष्य तथा धनंजय की आगामी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्णिम जीत की कामना करता है।

नोएडा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकती हैं शालिनी सिंह, 2027 के चुनाव को लेकर सियासी चर्चाएं तेज

भाजपा किसे बनाएगी अपना उम्मीदवार, शालिनी सिंह और पंकज सिंह के नामों को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। उत्तर प्रदेश में आगामी





2027 विधानसभा चुनाव को लेकर अभी समय बाकी है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में चुनावी सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेता और संभावित उम्मीदवार अपनी-अपनी दावेदारी मजबूत करने में जुट गए हैं। इसी बीच नोएडा विधानसभा सीट से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह के चुनाव लड़ने की चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं। शालिनी सिंह पिछले काफी समय से नोएडा में सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय हैं और लगातार लोगों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

मीडिया रिपोर्टों वेः अनुसार, शालिनी सिंह ने भी संकेत दिया है कि यदि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें नोएडा से टिकट देता है तो वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं।

वहीं, नोएडा विधानसभा सीट से वर्तमान विधायक पंकज सिंह भी भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख चेहरों में शामिल हैं। ऐसे में राजनीतिक जानकारों और कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा भी हो रही है कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा किसे अपना प्रत्याशी बनाएगी। फिलहाल पार्टी की ओर से उम्मीदवारों को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। अब देखना दिलचस्प होगा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी नोएडा सीट से किस पर भरोसा जताती है और क्या शालिनी सिंह को चुनावी मैदान में उतरने का मौका मिलता है?

मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सोनभद्र पुलिस का व्यापक जनजागरूकता अभियान

'नारी का सम्मान,सुरक्षा की पहचान-सोनभद्र पुलिस का यही अभियान'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान



एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय/नोडल अधिकारी सुश्री मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में मिशन शक्ति 6.0 के अंतर्गत जनपद में व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के क्रम में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकार, लैंगिक समानता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही, महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न अथवा असुरक्षा की स्थिति में बिना किसी भय या संकोच के पुलिस से संपर्क करने तथा संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत बच्चों एवं बालिकाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति किया जा रहा जागरूक। साइबर



जागरूकता अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों, बालिकाओं एवं आमजन को साइबर अपराधों के विभिन्न तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड, साइबर ग्रूमिंग, टेलीग्राम फ्रॉड, फर्जी ट्रेडिंग/इन्वेस्टमेंट ग्रुप, क्रिप्टोकरेंसी स्कैम एवं फिशिंग लिंक सहित विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सतर्क रहने के लिए जागरूक किया जा रहा है। साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत लोगों को ओटीपी, बैंकिंग विवरण, पासवर्ड एवं व्यक्तिगत जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा न करने तथा संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से बचने की सलाह दी जा रही है। साथ ही, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने, अनजान व्यक्तियों से ऑनलाइन संपर्क के दौरान सतर्कता बरतने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना संबंधित एजेंसी को देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। किसी भी प्रकार का साइबर अपराध होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर सूचना देने तथा आधिकारिक वेबसाइट www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी दी जा रही है। महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरः- 112 - आपातकालीन पुलिस सेवा,1090/1091 - महिला सुरक्षा हेल्पलाइन, 181 - महिला हेल्पलाइन, 1930 - साइबर अपराध हेल्पलाइन, 1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सोनभद्र पुलिस की अपीलः महिलाएं एवं बालिकाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें, किसी भी प्रकार के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाएं तथा आवश्यकता पड़ने पर पुलिस एवं संबंधित हेल्पलाइन सेवाओं की सहायता लें। आमजन भी साइबर अपराधों के प्रति सतर्क रहें और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार अपनाएं। 'सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन – सशक्त नारी, सशक्त राष्ट्र।'

डिस्ट्रिक्ट फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा लंबित मांगों के लिए दिया धरना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। डीपीए उत्तर प्रदेश के आह्वान पर फार्मासिस्ट संवर्ग की लंबित मांगों के सम्बंध में सीएमओ कार्यालय रायबरेली परिसर में आज दिनांक 13.11.2026 को डीपीए रायबरेली वेः बैनर तले एकदिवसीय धरने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद रायबरेली के समस्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, जिला चिकित्सालय, जिला महिला चिकित्सालय रायबरेली वेः समस्त फार्मेसिस्ट एवं चीफ फार्मासिस्ट सम्मिलित हुए। धरने पर उपस्थित सभी सदस्यों ने इस बात पर गहरा रोष व्यक्त किया कि शासन एवं स्वास्थ्य महानिदेशालय की उदासीनता के कारण फार्मासिस्ट संवर्ग की अनेक वित्तीय एवं गैर वित्तीय मांगे लंबे समय से लंबित चल रही हैं। जिसमें पदनाम परिवर्तन,कैडर का पुनर्गठन, वरिष्ठता सूची जारी करने एवं उच्च पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया शासन से कई बार की वार्ताओं में मिले आश्वासन के बाद भी पूरी नहीं की जा रही है। धरने पर उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यदि संवर्ग की मांगों पर सकारात्मक कार्यवाही नहीं होती है तो समस्त सदस्य प्रांतीय कार्यकारिणी के आवाहन पर दिनांक 20 नवंबर 2026 को महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें उत्तर प्रदेश लखनऊ वेः कार्यालय पर एकदिवसीय धरना देंगे और वहीं पर आगामी आंदोलन की घोषणा करेंगे। धरने में प्रमुख रूप से डीपीए रायबरेली के अध्यक्ष श्री सुरेश चौधरी, मंत्री श्री दिवाकर सिंह, अतुल यादव,प्रमोद पांडेय, आनंद देव सिंह, नरेंद्र पटेल, महेंद्र गुप्ता, अनिल सिंह, रमाकांत चौधरी, अजय गुप्ता, धनंजय यादव, रंजीत मौर्या, प्रशांत शुक्ला आदि सहित सैकड़ो फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी की आधुनिक तकनीकों पर विशेषज्ञों ने दिया प्रशिक्षण,UBE, MISS TLIF, DSA, EEG, TCD और बोटॉक्स इंजेक्शन पर हुए प्री-कांफ्रेंस वर्कशॉप

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। UP-UK Neurocon 2026 के पहले दिन शुक्रवार को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज परिसर के ओल्ड एग्जामिनेशन हॉल में न्यूरोसर्जरी और न्यूरोलॉजी वेः प्री-कांफ्रेंस



वर्कशॉप आयोजित किए गए। आयोजन सचिव डॉ. पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक चले इन वर्कशॉप में प्रतिभागियों को आधुनिक सर्जिकल तकनीकों और जांच एवं उपचार प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी और प्रशिक्षण दिया गया। डॉ. गुप्ता के अनुसार, न्यूरोसर्जरी वेः अंतर्गत यूबीई (यूनिलैटरल बाइपोर्टल एंडोस्कोपी) पर डॉ. गौरव बंसल, डॉ. अहमद अंसारी और डॉ. ओ.पी. सिंह ने प्रशिक्षण दिया। मोनोपोर्टल एंडोस्कोपी और दर्द प्रबंधन के लिए ब्लॉक्स के सत्र में डॉ. अचल गुप्ता ने तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं पर जानकारी साझा की और प्रशिक्षण भी दिया। मोनोपोर्टल एंडोस्कोपी से स्पाइन सर्जरी और एंडोवैस्कुलर तकनीकों पर भी अलग-अलग वर्कशॉप हुए। एंडोवैस्कुलर सत्र में डॉ. दीपक कुमार सिंह ने मस्तिष्क की रक्तवाहिनियों से जुड़ी बीमारियों के उपचार की आधुनिक तकनीकों पर जानकारी दी और इंडोवेस्कुलर तकनीक से मस्तिष्क की धमनियों में होने वाले गुब्बारे नुमा उभार (एन्यूरिज्म) को बंद करने की आधुनिक विधाओं का प्रशिक्षण दिया। न्यूरोलॉजी के वर्कशॉप में ईईजी का सत्र डॉ. विनोद कुमार पुरी ने लिया। ट्रांसक्रेनियल डॉप्लर (टीसीडी) पर डॉ. वरुण सिंह, डॉ. और अभिषेक पाठक और ने प्रशिक्षण दिया। मूवमेंट डिसऑर्डर में बोटॉक्स इंजेक्शन की सूक्ष्म तकनीक के सत्र में डॉ. श्वेता पांडेय, डॉ. अब्दुल कावी और डॉ. सौरभ कुमार ने उपचार एवं इंजेक्शन तकनीक से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया। वर्कशॉप आयोजन में डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ राजेंद्र प्रसाद, डॉ अशोक कुमार, डॉ. यतेन्द्र शुक्ला, डॉ गुलाब सोनी, डॉ अक्षत पाण्डे और डॉ. सिद्धार्थ सिंह ने सहयोग किया। आयोजन अध्यक्ष डॉ मुकुल पाण्डे ने बताया कि शुक्रवार शाम रेडिसन होटल प्रयागराज में वीडियो प्रेजेंटेशन सत्र आयोजित हुए। इनमें जटिल एन्यूरिज्म की इंडोवेस्कुलर क्वायलींग, माइक्रोवैस्कुलर एनास्टोमोसिस, कैरोटिको-कैवर्नस फिस्टुला का इन्डोवैस्कुलर उपचार, माइक्रोन्यूरोसर्जरी और एंडोस्कोपिक एन्यूरिज्म क्लिपिंग पर प्रस्तुतियां दी गईं। दूसरे सत्र में ब्रेन ट्यूमर (ग्लायोमा)ड्यूरल आर्टेरियोवेनस फिस्टुला, एंडोस्कोपिक स्पाइन सर्जरी, और रोबोटिक ब्रेन एवं स्पाइन सर्जरी से जुड़े वीडियो और अनुभव साझा किए गए। डॉ. पंकज गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के मुख्य अकादमिक सत्र 14 और 15 नवंबर को एएमए कन्वेंशन सेंटर में होंगे। उक्त अवसर पर प्रो. एस.पी.एस. चौहान, प्रो. एन.सी. द्विवेदी, डॉ. कार्तिकेय शर्मा, डॉ. मुकुल पांडेय, प्रो. एन.एन. गोपाल, डॉ. प्रकाश खेतान, डॉ. सुशील मिश्रा, डॉ. कमलेश कुमार सोनकर, डॉ. विमल पालीवाल, डॉ. अनंत मेहरोत्रा, डॉ. सत्यदेव पांडेय, डॉ. गुलाब सोनी, डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ. यतेन्द्र शुक्ला, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. अमित कुमार सिंह, डॉ. प्रभात सिंह, डॉ. नितिश कुमार सिंह, डॉ. अंचल चौहान, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डॉ. आशीष राय, डॉ. अर्चना ओझा, डॉ. बी.के. सिंह, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. सचिन सिंह, डॉ. सौरभ आनंद दुबे, डॉ. मोहम्मद तारिक अंसारी और डॉ. आर.पी. पांडेय एवं अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

छठ महापर्व की शुरुआत,छठ पूजा का पर्व नहाय-खाय के साथ शुरू होगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शैलेन्द्र मिश्रा अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय मैथिलि परिषद् एवं छठ पूजा समिति पॉकेट - 7 सेक्टर 82 नोएडा ने कहा की देशभर में छठ पूजा का महापर्व



पूरी आस्था और धूमधाम के साथ मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाले इस त्योहार में घरों से लेकर नदियों के घाटों तक एक अलग ही रौनक और उत्सव का माहौल होता है। इस खास मौके पर भगवान सूर्य और छठी मइया की विशेष आराधना की जाती है, जिसके लिए व्रती पूरे 36 घंटे का कठिन निर्जला उपवास रखते हैं।धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस व्रत को करने से संतान की प्राप्ति होती है और संतान को स्वास्थ्य व दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। ऐसे में



आइए इस आर्टिकल में आपको विस्तार बताते हैं कि कब से शुरू होगी छठ पूजा और संध्या अर्घ्य एवं उषा अर्घ्य का क्या समय रहेगा।कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी पर नहाय खाय की परंपरा निभाई जाती है।चतुर्थी तिथि की शुरुआत- 12 नवंबर को शाम 06 बजकर 09 मिनट पर चतुर्थी तिथि का समापन-13 नवंबर को रात 08 बजकर 42 मिनट परछठ पूजा की शुरुआत आज यानी 13 नवंबर से हो गई होगी है। पहले दिन नहाय खाय किया जाता है। हर साल कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को खरना का पर्व मनाया जाता है। पंचमी तिथि की शुरुआत- 13 नवंबर को रात 08 बजकर 42 मिनट पर पंचमी तिथि का समापन- 14 नवंबर को रात 11 बजकर 23 मिनट पर छठ पूजा के दिन तीसरे दिन कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने का विधान है। षष्ठी तिथि का समापन- 14 नवंबर को रात को 11 बजकर 23 मिनट परषष्ठी तिथि का समापन- 16 नवंबर को रात 2 बजे सूर्यास्त का समय- 05 बजकर 45 मिनट पर खरना.दिनभर निर्जला उपवास रखकर शाम को षष्ठी देवी को अर्पित गुड़-चावल की खीर और रोटी का प्रसाद ग्रहण किया जाता है। यह आत्मिक शुद्धि का दिन है, जिसके साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का कठिन और निर्जला व्रत शुरू होता है।. संध्या अर्घ्य .तीसरे दिन ढलते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। साथ ही सूर्य देव और छठी माता की पूजा-अर्चना करने का विधान है।. उषा अर्घ्य.आखिरी यानी चौथे दिन उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया देने का विधान है। नहाय-खाय (पहला दिन): 13 नवंबर 2026 (शुक्रवार) (सुबह से शुरू) खरना / लोहंडा (दूसरा दिन): 14 नवंबर 2026 (शनिवार) शाम करीब 5:01 बजे / सूर्यास्त के बाद संध्या अर्घ्य / डूबते सूर्य को अर्घ्य (तीसरा दिन): 15 नवंबर 2026 (रविवार) को शाम 5:28 बजे से 5:32 बजे वेः आसपास (सूर्यास्त वेः समय). उषा अर्घ्य एवं पारण / उगते सूर्य को अर्घ्य (चौथा दिन): 16 नवंबर 2026 को सोमवार को सुबह 6:07 बजे से 6:44 बजे के बीच (सूर्योदय के समय) समापन होगा इसके बाद व्रती प्रसाद ग्रहण कर पारण करते हैं और यह चार दिवसीय कठोर तपस्या पूर्ण होती है।छठ पूजा के कृतिम घाट सेंट्रल पार्क पॉकेट 7 सेक्टर 82 नोएडा में तैयार हो चूका है उसको गंगा जल से भरा जायेगा एवं सुरक्षा का इंतजाम हो चूका है इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे संस्था के शैलेन्द्र मिश्रा ,पप्पू सिंह ,अमरेश झा ,रामभरोष झा ,संतोष यादव ,जीतेन्द्र सिंह ,विजय कुमार झा ,बलराम कर्ण ,किशुन जी झा ,दिलीप राइ ,गोर लाल ,मुरारी झा ,शिवा चौधरी ,संजय पांडेय के .के .झा ,अनूप सिंह ,हरी शंकर तिवारी ,अशोक दास ,विजेंद्र सिंह ,रुपेश झा ,संटू मिश्रा ,विजय जी ,अजित मिश्रा ,अजय झा ,शंकर झा ,प्रकाश झा ,आंनद झा ,अरुण ठाकुर ,फूल राइ ,देव मणि शुक्ला ,संजय शुक्ला ,रवि राघव ,पंकज मिश्रा ,सुशिल पाल ,नंदकिशोर सोलंकी ,एस .के .तिवारी ,मदन सिंह ,राम बाबू झा ,मनोज झा ,गोविन्द मिश्रा ,अरविन्द सिंह ,अंजनी झा ,अंजनी सिंह ,शशि भूषण सिंह ,पंकज सिंह ,आशीष मिश्रा ,सुबोध सिंह ,कालू सिंह ,पंकज ठाकुर ,चन्दन चौधरी ,मनीष पांडेय ,

राघवेंद्र चौधरी ,राजेश जी ,अटल बिहारी गुप्ता ,एस ,के पांडेय ,राहुल कुमार ,एस के रथ ,सी ,एल .पांडेय ,देवेंद्र गुप्ता ,सत्शंकर दास मुकेश मिश्रा अभिनाश नंदन शर्मा संजय कुमार झा ,विनोद राजपूत ,आदित्य जी ,देवेंद्र गुप्ता ,हनुमान जी ,विष्णु कुमार शर्मा ,तिमिर वि दान ,नीरज शर्मा ,राहुल, दिनेश शुक्ला ,नन्द कुमार चौहान ,विशेस्वर झा ,देवा भैया प्रेम चंद्र झा ,संतोष मिश्रा और काफी लोग उपस्थित होंगे।

म्योरपुर में ब्लॉक स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, 48 नन्हे खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र/म्योरपुर। बेसिक शिक्षा



अधिकारी (बीएसए) मुकुल आनन्द पाण्डेय के निर्देशन में तथा खण्ड शिक्षा अधिकारी सुनील कुमार के नेतृत्व में जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के प्रेरणा से म्योरपुर स्थित हिण्डाल्को पार्क में ब्लॉक स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र की सभी 8 न्याय पंचायतों के संकुलों से एक प्राथमिक और एक उच्च प्राथमिक स्तर के कुल 48 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर अपनी बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया। मुस्कान और जय सिंह ने मारी बाजीः-कड़े मुकाबले के बाद प्राथमिक स्तर पर प्राथमिक विद्यालय हरदिमोड़ के जय सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि प्राथमिक विद्यालय गड़िया प्रथम के हिमांशु द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं, उच्च प्राथमिक स्तर की प्रतिस्पर्धा में उच्च प्राथमिक विद्यालय (यूपीएस) गड़िया की मुस्कान ने प्रथम स्थान हासिल कर बाजी मारी, जबकि यूपीएस डढ़ीहरा के विनोद द्वितीय स्थान पर रहे। ?विजेताओं के साथ सभी प्रतिभागी हुए सम्मानितः- कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में म्योरपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि व पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष गणेश जायसवाल उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए, साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागी बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सांत्वना पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनका रहा विशेष योगदानः-इस पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा संकुल सीमा द्वारा तैयार की गई, जबकि मंच संचालन व संपूर्ण व्यवस्था संकुल अजय कुमार गुप्ता ने संभाली। प्रतियोगिता को निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने में रेफरी के रूप में शशि रंजन, शरद, पवन, सौरभ, राजू, अजय यादव और ज्ञान प्रकाश ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर एआरपी (एआरपी) विवेक झा, शिव प्रिया व संकुल शारदा प्रसाद प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों व अभिभावकों ने बच्चों के मानसिक विकास के लिए शिक्षा विभाग द्वारा की गई इस नवीन पहल और सफल आयोजन की भूरि-भूरि सराहना की।

छात्रवृत्ति के लिए आवेदन की संशोधित समय-सारिणी जारी, 24 नवंबर तक होगा सत्यापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। वित्तीय वर्ष 2026-27 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजना के तहत पात्र



छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराने के लिए शासन द्वारा तृतीय संशोधित समय-सारिणी जारी की गई है। इसके तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थियों के नवीन आवेदन तथा नवीनीकरण की प्रक्रिया निर्धारित तिथियों के अनुसार पूरी की जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सोनभद्र ने बताया कि नवीनीकरण के तहत विद्यालयों द्वारा 12 से 19 नवंबर तक मास्टर डाटा तैयार किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 13 से 20 नवंबर तक इसका सत्यापन किया जाएगा। छात्र-छात्राएं 12 से 20 नवंबर तक अपने आवेदन पत्रों का नवीनीकरण कर हार्डकॉपी संबंधित शिक्षण संस्थान में जमा करेंगे। इसके बाद विद्यालयों द्वारा 13 से 23 नवंबर तक बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, अंक एवं उपस्थिति संबंधी विवरण दर्ज कर पात्र विद्यार्थियों के आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किए जाएंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 13 से 24 नवंबर तक वास्तविक छात्र-छात्राओं का सत्यापन किया जाएगा। वहीं, नवीन (फ्रेश) आवेदन के लिए छात्र-छात्राएं 12 से 17 नवंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन कर सकेंगे। आवेदन का फाइनल प्रिंट 19 नवंबर तक निकालना होगा तथा आवश्यक अभिलेखों सहित हार्डकॉपी 19 से 22 नवंबर तक संबंधित शिक्षण संस्थान में जमा करनी होगी। विद्यालयों द्वारा 13 से 23 नवंबर तक ऑनलाइन सत्यापन एवं आवेदन अग्रसारण तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा 14 से 24 नवंबर तक सत्यापन की कार्यवाही पूरी की जाएगी। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने जनपद के समस्त शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्यों एवं छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सारिणी का पालन करते हुए आवेदन एवं सत्यापन संबंधी सभी कार्यवाही समय से पूर्ण करने की अपील की है, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति योजना के लाभ से वंचित न रहे।

न्यू लोको कॉलोनी में बना भव्य छठ घाट, डीआरएम ने किया लोकार्पण,डीआरएम आशीष जैन ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे प्रशासन ने रेलकर्मियों और उनके परिजनों को बड़ी सौगात दी है। वाराणसी मंडल के न्यू लोको कॉलोनी में रेल प्रशासन की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि कॉलोनी में ही छठ पूजा के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होने से व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिलेगी। महिलाओं ने इस सराहनीय कार्य



नवनिर्मित छठ घाट का 12 नवंबर 2026 को मंडल रेल प्रबंधक आशीष जैन की मौजूदगी में लोकार्पण किया गया। खास बात यह रही कि छठ घाट का शुभारंभ स्थानीय महिला निवासियों ने फीता काटकर किया। इस पहल से रेलवे कॉलोनी की महिलाओं और छठ व्रतियों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोकार्पण के बाद डीआरएम आशीष जैन ने अधिकारियों के साथ नवनिर्मित छठ घाट का निरीक्षण किया। करीब 15 मीटर लंबे और सात मीटर चौड़े इस छठ घाट पर उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि छठ पूजा के मद्देनजर घाट को और बेहतर ढंग से विकसित किया जाए, ताकि व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य जरूरी सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने छठ व्रत करने वाली महिलाओं से भी आत्मीय संवाद किया और घाट की सुविधाओं को लेकर उनकी राय एवं सुझाव जाने। महिलाओं ने नवनिर्मित छठ घाट को रेलवे कॉलोनी के लिए महत्वपूर्ण सौगात बताते हुए के लिए मंडल रेल प्रबंधक एवं रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के अंत में डीआरएम आशीष जैन ने अधिकारियों के साथ छठ घाट के किनारे पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने हरित परिवेश विकसित करने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक आरजे चौधरी, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आपरेशन) अजय कुमार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (समाडि) अभिषेक राय, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ईएनएचएम) अभिनव पाठक, वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक आशीष शुक्ला, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिनव कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सामान्य) कुंवर सिंह यादव, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) सौरभ राठौर, सहायक मंडल इंजीनियर (नगरीय) अरविन्द पाण्डेय, स्टेशन निदेशक रामजी यादव सहित एससी/एसटी एसोसिएशन के पदाधिकारी, रेलवे कॉलोनी की महिलाएं एवं बच्चे मौजूद रहे। कार्यक्रम की जानकारी जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने मीडिया को दी।

सीओ सिटी की संवेदनशीलता से सुलझा महिलाओं का विवाद, सोशल मीडिया पर हुई सोनभद्र पुलिस की सराहना

लिखित समझौते व सुरक्षा के आश्वासन से बढ़ा जनता का विश्वास; आरटीआई एसोसिएशन व एसीबीआइ ने पोस्ट कर जताया आभार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) राबर्ट्सगंज/सोनभद्र। महिलाओं से जुड़े एक संवेदनशील विवाद का त्वरित, शांतिपूर्ण और सम्मानजनक निस्तारण कराने पर सोनभद्र पुलिस और क्षेत्राधिकारी नगर (सीओ सिटी) रणधीर कुमार मिश्रा की कार्यप्रणाली की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है। विभिन्न सामाजिक व जागरूक संगठनों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर पुलिस प्रशासन का आभार जताया है। लिखित समझौते और सुरक्षा के भरोसे से सुलझा मामलाः- सूचना का अधिकार कार्यकर्ता एसोसिएशन (पंजीकृत) के जिलाध्यक्ष अमान



खान ने यूपी पुलिस के आला अधिकारियों व सोनभद्र पुलिस को टैग करते हुए लिखा कि सीओ सिटी रणधीर कुमार मिश्रा के न्यायप्रिय दृष्टिकोण से पीड़ित महिलाओं के प्रकरण का सम्मानजनक समाधान हुआ है। विपक्षी द्वारा लिखित समझौतानामा दिए जाने और पुलिस की ओर से सुरक्षा का भरोसा मिलने से आमजन का पुलिस प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है। सराहनीय पुलिसिंग के लिए जताया साधुवादः- वहीं, एंटी करप्शन ब्यूरो ऑफ इंडिया (एसीबीआई) की सोनभद्र जिला इकाई ने भी सीओ सिटी की कार्यशैली को 'सराहनीय पुलिसिंग' करार दिया है। संगठन ने अपने पोस्ट में कहा कि सीओ के त्वरित व संवेदनशील हस्तक्षेप से विवाद का शांतिपूर्ण निस्तारण संभव हो सका। पीड़ित पक्ष को न्याय और सुरक्षा का भरोसा दिलाने के लिए सोनभद्र पुलिस की कार्यप्रणाली प्रशंसनीय है।

एक लाख रुपये ठगे,चोपन पुलिस ने साइबर हेल्प डेस्क और बैंक की मदद से पूरी रकम लौटाई

सोनभद्र। साइबर अपराधियों ने ट्रक का चालान जमा करने के नाम पर एक व्यक्ति के बैंक खाते से एक लाख रुपये की ठगी कर ली थी। मामले में थाना चोपन की साइबर हेल्प डेस्क ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए पीड़ित की ठगी गई पूरी धनराशि वापस करा दी। खाते में एक लाख रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस टीम का आभार जताया। पुलिस के अनुसार, डाला के बारी निवासी विनय कुशवाहा पुत्र लल्लू प्रसाद कुशवाहा के साथ 4 जून 2026 को साइबर धोखाधड़ी की घटना हुई थी। ट्रक का चालान जमा करने के नाम पर यूपीआई के माध्यम से उनके बैंक खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए गए थे। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा ने साइबर अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की धनराशि वापस कराने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन एवं नोडल अधिकारी ऋषभ रुणवाल, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मेविस टॉक तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में थाना चोपन की साइबर हेल्प डेस्क ने मामले की जांच शुरू की। प्रभारी निरीक्षक गोपाल जी गुप्ता के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क ने बैंक ट्रांजेक्शन का तकनीकी विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदिग्ध बैंक लेनदेन को ट्रेस कर संबंधित बैंक से संपर्क स्थापित किया गया।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
कौशलं बलम्
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है


नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स



डायबिटीज में हार्ट डिजीज का रिस्क ज्यादा,खतरे के 6 संकेत दिखें तो अस्पताल जाएं, हर डायबिटिक के लिए सावधानियां

नयी दिल्ली। डायबिटीज एक मेटाबॉलिक डिसऑर्डर है, जिसमें ब्लड में शुगर का लेवल सामान्य से ज्यादा हो जाता है। इस स्थिति में पैंक्रियाज (अग्न्याशय) पर्याप्त मात्रा में इंसुलिन नहीं बना पाता या शरीर बनने वाले इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता। इंसुलिन एक हार्मोन है, जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। लंबे समय तक शुगर का लेवल बढ़ा रहने से शरीर के कई अंगों को गंभीर नुकसान हो सकता है। नर्व्स और ब्लड वेसल्स पर इसका खासतौर पर बुरा असर पड़ता है। साल 2023 में मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्रोनोलॉजी' में पब्लिश रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करीब 10.1 करोड़ लोगों को डायबिटीज है। वहीं लगभग 13.6 करोड़ लोग प्री-डायबिटिक हैं। 'वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन' (डब्लूएचओ) के मुताबिक, डायबिटिक लोगों में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क सामान्य लोगों की तुलना में 2-3 गुना तक ज्यादा होता है। हालांकि लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके इस रिस्क को काफी हद तक कम किया जा सकता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में डायबिटीज और हार्ट डिजीज का कनेक्शन समझेंगे। साथ ही जानेंगे कि- डायबिटीज हार्ट को कैसे प्रभावित करती है? हार्ट हेल्थ प्रिवेंशन के लिए लाइफस्टाइल कैसी होनी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. साकेत कांत, सीनियर कंसल्टेंट, एंडोक्रोनोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- डायबिटीज हमारे हार्ट को कैसे प्रभावित करती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- लंबे समय तक ब्लड शुगर हाई रहने से आर्टरीज की अंदरूनी लेयर (एंडोथीलियम) को नुकसान पहुंच सकता है।इससे आर्टरीज में कोलेस्ट्रॉल और फैट जमा होने की प्रक्रिया तेज हो सकती है, जिससे धीरे-धीरे प्लाक बनने लगता है। प्लाक जमा होने से आर्टरीज संकरी और सख्त हो जाती हैं। इस स्थिति को 'एथेरोस्क्लेरोसिस' कहते हैं। इसके कारण हार्ट तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई कम हो सकती है, जिससे हार्ट पर प्रेशर बढ़ता है। डायबिटिक लोगों में हाई ब्लड प्रेशर और हाई कोलेस्ट्रॉल का जोखिम भी ज्यादा होता है। ये दोनों हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ाते हैं। सवाल- अगर किसी का ब्लड शुगर लेवल हाई है तो इससे ब्लड वेसल्स को क्या नुकसान होता है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-



ब्लड में लंबे समय तक ग्लूकोज का लेवल ज्यादा रहने से ब्लड वेसल्स की अंदरूनी परत को नुकसान पहुंचता है। इससे उनमें इंफ्लेमेशन और सख्ती बढ़ सकती है। साथ ही ब्लड फ्लो प्रभावित होता है और शरीर के अंगों तक पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं पहुंच पाते। लंबे समय में यह स्थिति हार्ट डिजीज, स्ट्रोक, किडनी डिजीज, आंखों के रेटिना को नुकसान (डायबिटिक रेटिनोपैथी) और पैरों में ब्लड फ्लो कम होने जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है:-इसलिए ब्लड शुगर को कंट्रोल रखना केवल डायबिटीज मैनेजमेंट के लिए ही नहीं, बल्कि ओवरऑल हेल्थ के लिए भी जरूरी है। सवाल- क्या हर डायबिटिक व्यक्ति को हार्ट डिजीज का रिस्क होता है? जवाब- हां, डायबिटीज से पीड़ित हर व्यक्ति में हार्ट डिजीज का रिस्क सामान्य लोगों की तुलना में ज्यादा होता है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हर डायबिटिक व्यक्ति को हार्ट डिजीज होगी ही। इसका जोखिम कई बातों पर निर्भर करता है, जैसेकि- ब्लड शुगर कितनी कंट्रोल में है। व्यक्ति को कितने समय से डायबिटीज है। ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल का लेवल कितना है। मोटापा, स्मोकिंग और फिजिकल एक्टिविटी की स्थिति कैसी है। परिवार में हार्ट डिजीज की हिस्ट्री है या नहीं। इसलिए डायबिटिक लोगों के लिए ब्लड शुगर के साथ-साथ ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल की रेगुलर जांच भी जरूरी है। डायबिटीज में ब्लड शुगर बढ़ने से ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचता है। इससे आर्टरीज में प्लाक जमने और ब्लॉकेज होने का खतरा बढ़ता है। ऐसे में हार्ट अटैक का रिस्क भी बढ़ता है। ब्लड शुगर का कंट्रोल में होना जरूरी है। सवाल- डायबिटीज और कोलेस्ट्रॉल के बीच क्या कनेक्शन है? जवाब- डायबिटीज में शरीर इंसुलिन का सही तरीके से इस्तेमाल नहीं कर पाता। इससे ब्लड शुगर के साथ-साथ शरीर में फैट (लिपिड) का संतुलन भी बिगड़ सकता है। इसके कारण कुछ लोगों में बैड कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का लेवल बढ़ सकता है। जबकि गुड कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है। इससे आर्टरीज में प्लाक जम सकता है और हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ता है। सवाल- क्या प्री-डायबिटीज होने पर भी हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ जाता है? जवाब- हां, इस दौरान ब्लड शुगर सामान्य से ज्यादा होती है। इससे धीरे-धीरे ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंचने और आर्टरीज में प्लाक जमा होने का जोखिम रहता है। प्री-डायबिटीज अक्सर हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा और असामान्य कोलेस्ट्रॉल जैसे रिस्क फैक्टर्स से जुड़ी होती है। इससे भविष्य में हार्ट अटैक और स्ट्रोक का रिस्क बढ़ता है। हालांकि सही खानपान, रेगुलर एक्सरसाइज और वजन कंट्रोल करके इस जोखिम को कम किया जा सकता है। सवाल- क्या टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज में हार्ट रिस्क अलग-अलग होता है? जवाब- दोनों तरह की डायबिटीज में हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ता है। हालांकि, टाइप-2 डायबिटीज में मोटापा, हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं साथ होने के कारण जोखिम अक्सर ज्यादा होता है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- टाइप-1 डायबिटीज- इसमें शरीर बहुत कम इंसुलिन बनाता है या बिल्कुल बनाना बंद कर देता है। लंबे समय तक ब्लड शुगर कंट्रोल में न रहने पर हार्ट और ब्लड वेसल्स को नुकसान पहुंच सकता है। टाइप-2 डायबिटीज:-इसमें इंसुलिन रेजिस्टेंस के साथ अक्सर मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और असामान्य कोलेस्ट्रॉल जैसी समस्याएं भी होती हैं। इसलिए हार्ट डिजीज का जोखिम बढ़ सकता है। सवाल- अगर लंबे समय तक शुगर अनकंट्रोल्ड रहे तो क्या इससे स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है? जवाब- हां, इससे ब्लड वेसल्स में प्लाक जमा होने और आर्टरीज संकरी होने का रिस्क बढ़ता है। इससे ब्रेन तक ब्लड की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। यह स्थिति स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकती है। सवाल- किन लोगों को डायबिटीज और हार्ट डिजीज, दोनों का रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों में इसका रिस्क ज्यादा होता है। डायबिटीज का रिस्क किन्हें ज्यादा? जिन्हें इंसुलिन रेजिस्टेंस है। फैमिली में डायबिटीज की हिस्ट्री है। जिनकी सिडेंटरी लाइफस्टाइल है। जिन्हें प्री- डायबिटीज है। जो ओबीज/ ओवरवेट हैं। सवाल- मोटापा और डायबिटीज मिलकर हार्ट पर कैसे असर डालते हैं? जवाब- मोटापे से इंसुलिन रेजिस्टेंस बढ़ सकता है, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। वहीं, हाई ब्लड शुगर और मोटापे के कारण हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य कोलेस्ट्रॉल और आर्टरीज में प्लाक जमा होने का रिस्क बढ़ता है। इससे हार्ट डिजीज और हार्ट अटैक का रिस्क बढ़ सकता है। सवाल- बेहोशी हो। असामान्य थकान, कमजोरी हो। मतली/उल्टी के साथ बेचैनी हो। सवाल- डायबिटिक लोगों को हार्ट हेल्थ प्रिवेंशन के लिए अपनी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- डायबिटिक लोगों को शुगर कंट्रोल के साथ-साथ हार्ट हेल्थ का ध्यान रखना भी जरूरी है। डायबिटिक लोगों के लिए जरूरी सावधानियां:- रेगुलर ब्लड शुगर चेक करें। बीपी, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रखें। रूटीन दवाएं समय पर लें। संतुलित पौष्टिक डाइट लें। वजन कंट्रोल में रखें। रेगुलर एक्सरसाइज करें। किसी लक्षण को इग्नोर न करें। रेगुलर हेल्थ चेकअप कराएं। सिगरेट, तंबाकू से दूर रहें। डायबिटिक लोगों के लिए डाइट:- क्या खाएं? हरी पत्तेदार सब्जियां, सलाद, साबुत अनाज, दालें, चना, राजमा, लो फैट दूध/दही, नट्स और सीड्स, फ्रेश बीन्स, कम जीआई वाले फल (आंवला, जामुन, अंगूर, अमरूद, नाशपाती, सेब, संतरा आदि) क्या न खाएं? दीप फ्राइड फूड, ज्यादा घी- मक्खन, शुगरी ड्रिंक्स, सोडा, पैकेज्ड स्नैक्स/ बिस्किट, रिफाइंड कार्ब्स, ज़्यादा नमक वाले फूड अल्कोहल।डायबिटीज और हार्ट हेल्थ से जुड़े कॉमन सवाल- जवाब:-सवाल- हेल्दी हार्ट हेल्थ के लिए एचबीए1सी लेवल कितना होना चाहिए? जवाब- इसके लिए एचबीए1सी का लेवल 5.7फीसदी से कम होना सबसे अच्छा माना जाता है। अगर डायबिटीज है तो इसे 6.5-7फीसदी से कम रखना सुरक्षित माना जाता है। एचबीए1सी पिछले 2-3 महीनों के औसत शुगर लेवल को दर्शाता है। सवाल- एचबीए1सी टेस्ट कितने अंतराल पर करवाना चाहिए? जवाब- अगर ब्लड शुगर कंट्रोल है तो हर 6 महीने में टेस्ट कराना चाहिए। अगर हाई है या दवा बदली गई है तो हर 3 महीने में जांच करानी चाहिए। सवाल- डायबिटिक व्यक्ति को कौन-से हार्ट टेस्ट रेगुलर कराने चाहिए? जवाब- डायबिटिक व्यक्ति को रेगुलर ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल, ब्लड शुगर और एचबीए1सी की जांच करानी चाहिए। सवाल- लिपिड प्रोफाइल कितने दिनों में कराना चाहिए? जवाब- डायबिटिक लोगों को साल में कम-से-कम एक बार लिपिड प्रोफाइल टेस्ट कराना चाहिए। अगर कोलेस्ट्रॉल ज्यादा है या दवा चल रही है, तो डॉक्टर की सलाह अनुसार 3-6 महीने में जांच करा सकते हैं। सवाल- ईसीजी और 2डी इको टेस्ट कितने अंतराल में करवाना चाहिए? जवाब- ये जांचें आमतौर पर तब कराई जाती हैं, जब हार्ट डिजीज के लक्षण हों, कोई रिस्क फैक्टर हो या डॉक्टर इसकी सलाह दें। सवाल- क्या स्ट्रेस और नींद की कमी डायबिटिक लोगों में हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ा सकती है? जवाब- हां, लगातार स्ट्रेस और नींद की कमी ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और बॉडी में इंफ्लेमेशन लेवल को बढ़ा सकती है। इससे डायबिटिक लोगों में हार्ट डिजीज



डायबिटिक लोगों को हार्ट से जुड़े किन संकेतों या बदलावों पर गौर करना चाहिए? किन संकेतों को बिल्कुल इग्नोर नहीं करना चाहिए? जवाब- डायबिटिक लोगों को हार्ट से जुड़े किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। 1 डायबिटिक लोगों के लिए वार्निंग साइन:-सांस फूले/सांस लेने में परेशानी हो। सीने में दर्द या भारीपन हो। अचानक तेज पसीना आए। अचानक चक्कर, का जोखिम बढ़ता है। सवाल- डायबिटिक लोगों को किस स्थिति में कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना चाहिए? जवाब- इन स्थितियों में तुरंत कार्डियोलॉजिस्ट से सलाह लेनी चाहिए-सीने में दर्द, दबाव या जलन महसूस हो। हल्के काम में भी सांस फूलने लगे। अचानक तेज थकान, चक्कर या पसीना आए। पैरों या टखनों में सूजन दिखे। ईसीजी या अन्य रिपोर्ट में असामान्यता दिखे।

भारत की वनडे क्रिकेट में दूसरी सबसे बड़ी हार,चौथे मैच में न्यूजीलैंड 244 रन से जीता,रोहित, विराट और अय्यर जीरो पर आउट

स्पोर्ट डेस्क। टीम इंडिया को 52 साल के वनडे इतिहास में अपनी दूसरी सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी है। न्यूजीलैंड ने माउंट माउंगानुई में खेले गए सीरीज के चौथे मुकाबले में भारतीय टीम को 244 रन से हराया। न्यूजीलैंड ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 333 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम 26.4 ओवर में 89 रन पर ऑलआउट गई। मैट हैनरी ने भारत के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर दिया। यह पहला मौका है जब भारत ने पारी के पहले ही ओवर में तीन विकेट गंवाए। इनके बाद आने वाले बल्लेबाज भी फेल रहे। सिर्फ ईशान किशन, अक्षर पटेल और नमन धीर ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। सबसे बड़ी हार श्रीलंका के खिलाफ मिली है:- भारत को वनडे में सबसे बड़ी हार साल 2000 में शारजाह में श्रीलंका के खिलाफ मिली थी। तब श्रीलंका ने टीम इंडिया को 245 रन से हराया था। भारत सीरीज में 2-1 से आगे:-टीम इंडिया 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत ने पहला मैच 5 विकेट और दूसरा मुकाबला 4 रन से जीता था, जबकि तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द हो गया था। सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा। हेनरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया:-न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 6 विकेट लिए। हेनरी ने रोहित शर्मा, विराट कोहली और श्रेयस अय्यर को आउट कर भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। भारत 89 रन पर ऑलआउट:- मैट हेनरी ने गुरनूर बरार को बोल्ड कर भारत की पारी समेट दी। 27वें ओवर की चौथी गेंद पर हेनरी ने ऑफ स्टंप पर फुल लेंथ गेंद डाली। गुरनूर बिना पैर आगे बढ़ाए शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के नीचे से निकलकर ऑफ स्टंप पर जा लगी। वे 13 गेंदों पर 2 रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रन से हराया। इस जीत के साथ ही न्यूजीलैंड ने सीरीज में स्कोर 2-2 कर दिया। आखिरी वनडे इसी मैदान पर खेला जाएगा। पहले ओवर में सबसे ज्यादा 4 विकेट का रिकॉर्ड:-बांग्लादेश ने 2003 वनडे वर्ल्ड कप में श्रीलंका के खिलाफ पहले ही ओवर में 4 विकेट गंवा दिए थे। तब एक ओवर के बाद बांग्लादेश का स्कोर 5/4 था। गेंदबाज चामिंडा वास थे। नमन धीर ने लगातार 2 छक्के लगाए, आखिरी गेंद पर आउट:-मैथ्यू फिशर ने नमन धीर को आउट कर भारत को नौवां झटका दिया। 24वें ओवर की दूसरी और तीसरी गेंद पर नमन ने लगातार 2 छक्के लगाए। उन्होंने पहले लॉन्ग ऑफ के ऊपर से और फिर पुल शॉट खेलकर गेंद को बाउंड्री के पार पहुंचाया। हालांकि, आखिरी गेंद पर वे मिचेल सैंटनर को कैच दे बैठे। नमन 24 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। हेनरी ने पांचवां विकेट लिया:-मैट हेनरी ने कुलदीप यादव को बोल्ड कर भारत को आठवां झटका दिया। 23वें ओवर की आखिरी गेंद लेंथ पर पड़ी और अंदर की ओर आई। कुलदीप आगे बढ़कर डिफेंड करने की कोशिश में गेंद की लाइन और मूवमेंट को समझ नहीं सके। गेंद बल्ले को चकमा देकर ऑफ स्टंप पर जा लगी। कुलदीप 4 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हुए। यह हेनरी का मैच में पांचवां और वनडे करियर का चौथा फाइव विकेट हॉल है। 21वें ओवर की पहली गेंद पर ईशान बोल्ड:-मैट हेनरी ने वापसी करते ही पहली गेंद पर ईशान किशन को बोल्ड कर दिया। 21वें ओवर की पहली गेंद लेंथ पर थी और पिच से पड़कर अंदर की ओर आई। ईशान उसे खेलने से चूक गए और गेंद स्टंप्स पर जा लगी। वे 53 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 4 चौके लगाए। हेनरी ने 6 ओवर में 16 रन देकर 4 विकेट ले लिए हैं। अक्षर आउट, ईशान के साथ 44 रन की साझेदारी टूटी:-मैथ्यू फिशर ने अक्षर पटेल को आउट कर भारत को पांचवां झटका दिया। 18वें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर बैकफुट पर जाकर डिफेंड करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन गेंद बल्ले का बाहरी किनारा लेकर स्लिप की ओर गई। फिन एलन ने आसान कैच पकड़ लिया। अक्षर 36 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 3 चौके लगाए। ईशान किशन और अक्षर पटेल के बीच पांचवें विकेट के लिए 70 गेंदों पर 44 रन की साझेदारी हुई। 10 ओवर में भारत का संयुक्त रूप से छठा सबसे कम स्कोर- भारत ने पहले 10 ओवर में 4 विकेट पर 26 रन बनाए। 2018 के बाद वनडे में पहले 10 ओवर में यह भारत का संयुक्त रूप से छठा सबसे कम स्कोर है। इस दौरान टीम ने सबसे कम 21 रन 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में बनाए थे। मैट हेनरी ने 3 विकेट लेकर भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। 10वें ओवर में 4 रन बने:-10वें ओवर में भारत ने 4 रन बनाए। काइल जैमिसन के ओवर में ईशान किशन ने ओवर की तीसरी गेंद पर बैकवर्ड पॉइंट के बाईं ओर चौका लगाया। हालांकि, बाकी गेंदों पर वे कोई रन नहीं बना सके। 10 ओवर के बाद भारत का स्कोर 4 विकेट पर 26 रन है। ईशान 16 और अक्षर पटेल 4 रन बनाकर क्रीज पर हैं। जैमिसन ने गायकवाड को पवेलियन भेजा:-न्यूजीलैंड को चौथे वनडे में चौथी सफलता मिली है। काइल जैमिसन ने ऋतुराज गायकवाड को 5 रन के स्कोर पर आउट कर दिया। गायकवाड के बल्ले का बाहरी किनारा लगा और दूसरी स्लिप में माइकल ब्रेसवेल ने शानदार कैच पकड़ा। भारत ने 5.3 ओवर में 3 रन पर चौथा विकेट गंवा दिया। हेनरी ने अपना दूसरा ओवर भी मेडन फेंका:-मैट हेनरी ने तीसरे ओवर में भी भारतीय बल्लेबाजों को रन नहीं बनाने दिए। इस ओवर में ईशान किशन ने 6 गेंदें खेलीं, लेकिन खाता नहीं खोल सके। भारत ने 3 ओवर के बाद 3 विकेट पर 2 रन बनाए हैं। हेनरी ने अब तक 2 ओवर मेडन डालते हुए 3 विकेट हासिल किए हैं। रोहित-कोहली जीरो पर आउट हुए:-भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने पहले ही ओवर में रोहित शर्मा और विराट कोहली को आउट कर दिया। रोहित पहली गेंद पर फिन एलन को कैच थमा बैठे, जबकि कोहली 4 गेंद खेलने के बाद बिना खाता खोले बोल्ड हो गए। भारत ने बिना कोई रन बनाए 2 विकेट गंवा दिए। 2 रनआउट से सिमटी न्यूजीलैंड की पारी:-न्यूजीलैंड 50 ओवर में 333 रन पर ऑलआउट हो गई है। आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर काइल जैमिसन ने सीधा शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़े। हालांकि गेंदबाज आकिब नबी ने फॉलोथ्रू में गेंद को पकड़ा और विकेटकीपर के छोर पर डायरेक्ट हिट लगाई। मैट हेनरी 2 रन बनाकर रनआउट हुए। अगली गेंद पर भी मैट फिशर 2 रन दौड़ने के चक्कर में रनआउट हो गए। विराट कोहली के थ्रो पर विकेटकीपर ईशान किशन ने स्टंप बिखेरा। क्लार्क एलबीडब्लू आउट, आकिब को सफलता:-आकिब नबी ने क्रिस्टियन क्लार्क को एलबीडब्लू आउट कर न्यूजीलैंड को आठवां झटका दिया। 48वें ओवर की आखिरी गेंद पर क्लार्क ने ऑफ स्टंप के पास पिच हुई गेंद को फ्लिक करने की कोशिश की, लेकिन चूक गए और गेंद पैड पर लगी। अंपायर के आउट देने पर क्लार्क ने रिव्यू लिया, लेकिन रीप्ले में गेंद स्टंप्स पर लगती दिखी। क्लार्क 22 गेंदों पर 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका और एक छक्का लगाया। अर्शदीप को सफलता- अर्शदीप सिंह ने मिचेल सैंटनर को आउट कर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। 45वें ओवर की दूसरी गेंद पर सैंटनर ने बैकफुट पर जाकर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद को खेलने की कोशिश की, लेकिन बल्ले का बाहरी किनारा लगा। विकेट के पीछे ईशान किशन ने कैच पकड़ लिया। सैंटनर 29 गेंदों पर 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका और 2 छक्के लगाए। 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर रोहित ने सैंटनर का कैच छोड़ा:- नमन धीर के ओवर में मिचेल सैंटनर को जीवनदान मिला। 41वें ओवर की पांचवीं गेंद पर सैंटनर ने कवर की ओर शॉट खेला, लेकिन रोहित शर्मा नीचे की ओर कैच नहीं पकड़ सके। रीप्ले में साफ हुआ कि गेंद रोहित तक पहुंची थी। यह मैच में भारतीय टीम का एक और कैच छोड़ना रहा। नमन धीर ने ब्रेसवेल का कैच पकड़ा:-गुरनूर बरार ने माइकल ब्रेसवेल को आउट कर न्यूजीलैंड को छठा झटका दिया। 38वें ओवर की पांचवीं गेंद पर ब्रेसवेल ने शॉट खेला, लेकिन डीप बैकवर्ड स्क्वेयर लेग पर नमन धीर ने आगे की ओर दौड़ लगाकर कैच पकड़ा। ब्रेसवेल 20 गेंदों पर 15 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने एक चौका लगाया। सब्स्टीट्यूट फील्डर वुग्मार कुशाग्र ने यंग का कैच पकड़ा:- नमन धीर ने विल यंग को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। 37वें ओवर की आखिरी गेंद पर यंग ने स्लॉग स्वीप खेला, लेकिन डीप मिडविकेट पर सब्स्टीट्यूट फील्डर वुग्मार कुशाग्र ने दूसरे प्रयास में कैच पकड़ लिया। यंग 108 गेंदों पर 125 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 14 चौके और 4 छक्के लगाए। यंग के हेलमेट पर लगी गेंद:-34वें ओवर की पहली गेंद पर विल यंग रिवर्स स्वीप खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर उनके हेलमेट पर लगी। इसके बाद फिजियो मैदान पर पहुंचे और यंग का कन्कशन टेस्ट किया गया। जांच के बाद उन्होंने बल्लेबाजी जारी रखी। विल यंग ने पांचवां वनडे शतक पूरा किया:-न्यूजीलैंड के ओपनर विल यंग ने भारत के खिलाफ चौथे वनडे में 88 गेंदों पर अपना पांचवां वनडे शतक पूरा किया। उन्होंने शुक्रवार को माउंट माउंगानुई के बे ओवल में यह उपलब्धि हासिल की। यंग-एलन के बीच 90 रन की साझेदारी टूटी:-विल यंग और फिन एलन ने चौथे विकेट के लिए 65 गेंदों पर 90 रन जोड़े। यंग ने 36 गेंदों पर 48 रन बनाए, जबकि एलन ने 30 गेंदों पर 41 रन की पारी खेली।अक्षर पटेल ने फिन एलन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा और भारत को चौथी सफलता दिलाई। 31वें ओवर की दूसरी गेंद पर एलन ने शॉर्ट कवर की ओर शॉट खेला, जहां रोहित शर्मा ने दाईं ओर डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ा। एलन ने 5 चौके और 2 छक्के लगाए।एलन ने फ्री हिट पर छक्का लगाया- 26वां ओवर कुलदीप यादव ने फेंका। इस ओवर में 19 रन बने। विल यंग ने ओवर की दूसरी चौका लगाया। इसके बाद फिन एलन ने चौथी गेंद पर चौका और फ्री हिट पर छक्का जड़ दिया। इस ओवर में कुलदीप ने एक नो-बॉल भी फेंकी। 26 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर 3 विकेट पर 178 रन हो गया। यंग-एलन के बीच 38 गेंदों पर अर्धशतकीय साझेदारी:-विल यंग और फिन एलन के बीच अर्धशतकीय साझेदारी हो गई है। दोनों ने 38 गेंदों पर 54 रन जोड़ लिए हैं। यंग ने 21 गेंदों पर 22 रन बनाए, जबकि एलन ने 20 गेंदों पर 31 रन बनाए। एलन की शॉट से बॉल का शेप बिगड़ा:-23वें ओवर की आखिरी गेंद पर फिन एलन के शॉट के बाद गेंद का आकार बिगड़ गया। गेंद पर गड्ढा पड़ने के कारण चौथे अंपायर ब्रैफकेस में नई गेंदें लेकर मैदान पर पहुंचे। इसके चलते कुछ देर खेल रोकना पड़ा। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने ड्रिंक्स ब्रेक लिया। आकिब को पहली सफलता:- आकिब नबी ने डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को आउट कर न्यूजीलैंड को तीसरा झटका दिया। 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर फॉक्सक्रॉफ्ट आगे निकलकर पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद उनके बल्ले का ऊपरी किनारा लेकर फाइन लेग की ओर गई। वहां गुरनूर बरार ने कैच पकड़ लिया। फॉक्सक्रॉफ्ट 13 गेंदों पर 8 रन बनाकर आउट हुए। अब फिन एलन बल्लेबाजी करने आए हैं।



जेन-जी को समझिए, वे उतने बुरे नहीं हैं जितना आप सोचते हैं

'मे आई कम इन', यह सुनते ही एचआर पर्सन ने अपनी डेस्क से नजर उठाई और सिर हिला दिया। कैंडिडेट अंदर आया, कुर्सी में धंसकर बैठा



और सीधे बैठने की कोशिश किए बिना ही बैठा रहा। एचआर पर्सन कुछ सेकंड इंतजार करती रहीं कि वह एयरपॉड्स निकाले। जब उसने ऐसा नहीं किया तो उन्होंने एयरपॉड्स निकालने को कहा और पूछा कि उसे कैशियर की नौकरी क्यों सही लगती है? उसने कहा कि 'यह पार्ट-टाइम जॉब है और मैं फ्री टाइम में जो करना चाहता हूं, उसके हिसाब से ठीक है। मैं अपने दोस्तों के साथ बाहर जा सकता हूं, छुट्टियों पर जा सकता हूं और ऐसी दूसरी चीजें कर सकता हूं।' उसके जवाब, टोन और बॉडी लैंग्वेज ने पूरे सिलेक्शन पैनल को एक साफ संदेश दे दिया थाः वह ऐसा व्यक्ति नहीं होगा, जो शुक्रवार की रात बाहर घूमने के बाद शनिवार सुबह तैयार होकर काम पर पहुंच जाए। अगर उसकी सोशल लाइफ में बाधा आई तो शायद काम ही पहली चीज होगी, जिसे वह त्याग देगा। अगला कैंडिडेट अलग था। उसने अपने अपीरियंस, गंभीरता और धैर्य से पैनल को इम्प्रेस किया। जब तक उसे नहीं बोला गया, उसने बैठने का इंतजार किया और फिर सीधा होकर बैठा, सुनने के लिए तैयार। उसे शॉर्टलिस्ट कर लिया गया और पॉइंट ऑफ सेल (पीओएस) काउंटर पर काम कर रहे युवा कैशियरों को आब्जर्व करने के लिए दो घंटे दिए गए। उसका टेस्ट एक खाली काउंटर से शुरू हुआ। बिल 1272 रुपए का था। कस्टमर बनी एचआर पर्सन ने उसे 500-500 रुपए के तीन नोट दिए। कैश ड्रॉअर में अलग-अलग कीमत के नोट थे, लेकिन सिर्फ 10 रुपए तक के। साथ ही 1 रुपए के दो सिक्के भी थे। मशीन ने उसे 228 रुपए लौटाने को कहा। वह हिचकिचाया। पहले उसने कस्टमर से कहा कि उसके पास छुट्टे नहीं हैं। कस्टमर ने उसे 1-1 रुपए के दो सिक्के दिए और 230 रुपए लौटाने का सुझाव दिया। लेकिन कैंडिडेट ने मना कर दिया और कहा कि मशीन साफ तौर पर 228 रुपए दिखा रही है। वह अपना काउंटर बंद कर दूसरे काउंटर पर गया, छुट्टे लिए और बिल्कुल सही रकम लौटाई। इस पूरी प्रक्रिया में करीब चार मिनट लगे और इस दौरान कतार में पांच और ग्राहक बढ़ गए। एचआर टीम ने उसे एक हफ्ते की ट्रेनिंग पर भेजने का निर्णय किया- कैश संभालने की नहीं, बल्कि भीड़ संभालने की। दोनों कैंडिडेट तकनीकी रूप से सक्षम थे। लेकिन जो चीज था काम के प्रति उनका रवैया। रविवार दोपहर महाराष्ट्र के जलगांव स्थित जैन इरिगेशन के कार्यालय में जब मेरी मुलाकात कंपनी के चारों प्रमोटर भाइयों- अशोक जैन, अनिल जैन, अजित जैन और अतुल जैन-से हुई, और मैंने उन्हें ये उदाहरण सुनाए तो उनका भी यही मानना था कि समाज जिस तरह से जेन-जी को नकारात्मक रूप में पेश कर रहा है, वे वास्तव में उतने बुरे नहीं हैं। उनका कहना था कि जेन-जी के युवा अलग तरह से सोचते हैं, कुछ खास मूल्य-व्यवस्था को महत्व देते हैं और अपनी बात खुलकर व्यक्त करते हैं। शायद यही वजह है कि समाज उनके बारे में कई तरह की धारणाएं बना लेता है। अनिल जैन ने कहा, ' जेन-जी को संभालने के लिए हमें सबसे पहले अपने भीतर नेतृत्व क्षमता विकसित करनी होगी।' कोई आश्चर्य नहीं कि आप सभी ने वो सुना होगा, जो पिछले हफ्ते बिल गेट्स ने फ्यूचर टेक्नोलॉजी के बारे में कहा। टेक्नोलॉजी फोरकास्टर के तौर पर उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। इसलिए उनकी बात पर आपको ध्यान देना चाहिए। उन्होंने भविष्यवाणी की कि आने वाले वर्षों में सिर्फ कुछ जातियों या दिव्यांग लोगों को ही जॉब रिजर्वेशन नहीं दिया जाएगा, बल्कि पूरी मानव प्रजाति ये रिजर्वेशन मांग सकती है, क्योंकि रोबोट और एआई मशीनों की बाढ़ हमारे जॉब छीन सकती है- शायद पहले कैंडिडेट की लापरवाही के कारण या दूसरे की गणितीय समझ की कमी के कारण।लेकिन मध्य प्रदेश के ब्यावरा के 21 वर्षीय बीएससी स्टूडेंट सुरेंद्र सिंह चौधरी जैसे लोग भी हैं, जिन्हें अपने दरवाजे पर ही जॉब ऑफर मिलते हैं। सात महीनों तक उन्होंने अकेले ही प्रदूषित अजनार नदी की सफाई की। शायद इसलिये उन्हें नीदरलैंड्स से जॉब ऑफर मिलने की खबरें आ रही हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि हमें सुरेंद्र जैसे कमिटेड एंप्लॉयी क्यों नहीं मिलते? मैं हमेशा रिजेक्टेड एंप्लॉयीज का इंटरव्यू करता हूं, ताकि उनका व्यवहार समझ सकूं। उन्हें नहीं लगता है कि उन्हें इतना वेतन मिल रहा कि वे अपना घर खरीदने के बारे में सोच सकेंः आर्थिक अस्थिरता, कॉस्ट ऑफ लिविंग और और सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों से तुलना करना उन्हें जीवन को काम के लिए वैसे समर्पित करने के प्रति हतोत्साहित करता है, जैसे उनके पैरेंट्स ने किया था। फंडा यह है कि अगर आप जेन-जी के बिहेवियर पैटर्न समझेंगे तो आप उन्हें उनके व्यवहार के कारण रिजेक्ट नहीं करेंगे, जैसा कि मैंने पहले उम्मीदवार को जॉब ऑफर की थी। एन. रघुरामन

एआई सीखने की जगह नहीं लेगा, पर उसका तरीका जरूर बदलेगा

जेन-जी और जेन-अल्फा ऐसी शैक्षणिक दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं, जो पिछली पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इनके पास इंटरनेट, डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्टफोन, एआई तक अभूतपूर्व कर सकते हैं, इसलिए छात्रों को एआई के जवाब को आंख मूंदकर स्वीकार करने की बजाय उसे परखने और तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने की क्षमता विकसित करनी होगी।



पहुंच है। आज एक छात्र दुनिया के बेहतरीन संसाधनों से सीख सकता है, एआई को लर्निंग असिस्टेंट की तरह इस्तेमाल कर सकता है, जटिल प्रणालियों का सिमुलेशन कर सकता है, बड़े डेटासेट का विश्लेषण कर सकता है और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में बैठे लोगों से सहयोग कर सकता है। लेकिन जानकारी तक पहुंच को ज्ञान और एआई तक पहुंच को बुद्धिमत्ता नहीं समझना चाहिए। आज की शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि छात्र सिर्फ जानकारी और जवाब हासिल करना न सीखें, बल्कि आलोचनात्मक ढंग से सोचें, सही सवाल पूछें, तर्क करें, रचनात्मक तरीके से काम करें और अपने फैसलों की जिम्मेदारी भी लें। शिक्षा व्यवस्था को अब सूचना-केंद्रित मॉडल से दक्षता, जिज्ञासा और प्रॉब्लम-सॉल्विंग-सेंट्रिक मॉडल की ओर बढ़ना होगा।एआई शिक्षा में सीखने की जगह तो नहीं लेगा, लेकिन उसे बढ़ाने वाला माध्यम जरूर बनेगा। छात्र इसका इस्तेमाल जानकारी पाने, वैकल्पिक व्याख्याएं समझने, तत्काल फीडबैक लेने और अलग-अलग परिस्थितियों का सिमुलेशन करने के लिए कर सकते हैं। लेकिन जरूरी है कि उनकी बुनियादी समझ इतनी मजबूत हो कि वे एआई के जवाब पर सवाल उठा सकें, उसकी गलती पहचान सकें और जानकारी को वेरिफाई कर सकेंं। सबसे विकसित एआई मॉडल भी गलती लक्ष्य सिर्फ एआई यूजर नहीं, बल्कि स्किल्ड, इनोवेटिव और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना होना चाहिए। जब जानकारी हर जगह उपलब्ध है तो शिक्षक को भी अपनी भूमिका बदलनी होगी। टीचर अब सिर्फ जानकारी पहुंचाने वाला व्यक्ति नहीं हो सकता। उसे मेंटर, फैसिलिटेटर, चिंतक और मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। छात्रों को यह समझने में मार्गदर्शन देना होगा कि कौन-सी जानकारी विश्वसनीय है, ज्ञान कैसे निर्मित होता है और उसे मानवता के लिए सार्थक समाधान में कैसे बदला जा सकता है। जेन-जी और जेन-अल्फा के डिजिटल रूप से सक्षम होने का मतलब यह नहीं है कि उन्हें अनुशासन की कम जरूरत है। बल्कि उन्हें अलग तरह के अनुशासन की जरूरत है। उन्हें अपना ध्यान नियंत्रित करना, तकनीक का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करना, लगातार काम करना, नैतिक फैसले लेना और अपने काम के परिणामों के प्रति जवाबदेह रहना सीखना होगा। अब शिक्षक-छात्र सम्बंध भी शिक्षा के केंद्र में रहेंगे और एआई के दौर में इसकी भूमिका और महत्वपूर्ण होगी। शिक्षा में तकनीक को मानवीय पक्ष का विकल्प नहीं, बल्कि उसका सहायक बनाना होगा। मौजूदा शिक्षा व्यवस्था की बुनियाद आज भी प्रासंगिक है। बदलाव का मतलब पुराने सिस्टम को खत्म करना नहीं, बल्कि उसे अगले चरण तक ले जाना है। गणित, विज्ञान, इंजीनियरिंग, बायोटेक्नोलॉजी, सेमीकंडक्टर्स, ऊर्जा, स्वास्थ्य-सेवा और जलवायु तकनीकी जैसे उभरते क्षेत्रों से जोड़ना होगा। हमें अब शिक्षा को ज्यादा लचीला और बहुआयामी बनाना होगा। एनर्जी, हेल्थकेयर, मोबिलिटी, जलवायु परिवर्तन, कृषि, जल, शहरीकरण सम्बंधी 21वीं सदी की समस्याओं का समाधान किसी एक विषय के जरिए नहीं हो सकता। इसलिए इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, डिजाइनरों, समाज-विज्ञानियों और नीति-निर्माताओं को अपने-अपने दायरों से बाहर निकलकर साथ काम करना होगा। जेन-जी और जेन-अल्फा टेक्नोलॉजी के साथ सहज हैं। यह उनकी बड़ी ताकत है। चुनौती तब आती है जब तेजी से सूचनाओं को कंज्यूम करने की आदत गहराई से सीखने और समझने के लिए जरूरी धैर्य की जगह ले लेती है। इसलिए क्लासरूम में सीखने का ऐसा माहौल भी हमें बनाना होगा, जहां छात्र गहराई से एक्सप्लोर करना भी सीखें। एआई का इस्तेमाल सीखें, लेकिन यह भी जानें कि कब इस्तेमाल नहीं करना है। तकनीक एक टूल है, जो समय के साथ बदलती रहेगी। वह इंसानी क्षमता को बढ़ा सकती है, लेकिन यह तय नहीं कर सकती कि उस क्षमता का सार्थक और जिम्मेदार इस्तेमाल क्या होगा। (ये लेखक के अपने विचार हैं,प्रो. अविनाश कुमार अग्रवाल)

छोटे शहरों की आवाजें सुनाई देने लगी हैं हमारी कहानियों में

'शहर से दस किलोमीटर' नाम के अपने उपन्यास में नीलेश रघुवंशी ने भोपाल से कुछ दूर एक ऐसी जिंदगी का जिक्र किया है, जो फल-फूल रही है, मुश्किलों और चुनौतियों से भरी



है, लेकिन साथ ही बहुत गहरी और दार्शनिक भी है। इस कस्बे और उस शहर के बीच- जो अपनी सीमाओं के बाहर किसी और जिंदगी से बेखबर हैं- आने-जाने का सफर कहानी कहने वाली नैरेटर की साइकिल तय करती है। एक सूत्रधार और एक रिकॉर्ड की तरह, यह साइकिल उस जगह की आखिरी निशानियों में से एक है, जो अब शहर के एक ऐसे बे-पहचान, नव-उदारवादी और साधारण से विस्तार में बदल चुकी है, जिसे पहचानना मुश्किल है।उपन्यास में साइकिल से जुड़ी बचपन की यादें खूब उभरने लगती हैं, क्योंकि 'बचपन में छोटे-छोटे पांव बड़े-बड़े पंख होते हैं।' एक स्त्री नैरेटर हमें उन दिनों की याद दिलाती है, जब काले डंडे वाली साइकिलें थीं, न कि गुलाबी खूबसूरत दिखती लेडीज साइकिलें जो अब मिलती हैं। ऐसी कल्पना ही कहां थीं कि लड़कियां साइकिल चलाएंगी। परंतु हमारी नैरेटर तो इस तरह की जेंट्स साइकिल भी ऐसे चलाती- 'मैं थड़ल्ले से तो साइकिल चलाने लगी। कभी झुककर तो कभी तनकर, कभी सीटी बजाते हुए तो कभी लहराते हुए, कभी हैंडिल और खुद को तिरछा करते हुए, कभी एक हाथ छोड़कर, तो कभी सीट से ऊपर उठकर दोनों हाथ छोड़ते हुए। मैं साइकिल के साथ लहराने लगी।' साइकिल सिर्फ एक रोमांच नहीं, एक पोलिटिक्स भी है- एक समय और जीवन-शैली का निशान भी है, जब वह सिर्फ गरीबी या मजबूरी की प्रतीक नहीं थी। यह उपन्यास पढ़ते हुए, मैं चली गई बीते हुए दिनों में- भूतकाल जो एक टाइम भी है और स्पेस भी।मुझे पुरानी बातें याद आ गईं- अजमेर में बिताई गर्मियों की लंबी और धीमी छुट्टियां, जहां मेरी मां का मायका है। मैं हर गर्मी में वहां जाती थी और घंटों कर्नल रंजीत और राजहंस के उपन्यास पढ़ती थी, जिन्हें मैं प्रभात टॉकीज के पास एक छोटी-सी दुकान से किराए पर लेती थी। सिंधी मोहल्ले से प्रभात टॉकीज तक का रास्ता चढ़ाई वाला था और खुले नालों की बदबू से भरा होता था। लेकिन मैं खुश रहती थी, क्योंकि उसी दुकान से मुझे साइकिल भी मिल जाती थी, जहां से मैं किताबें लेती थी। पूरे दिन के लिए साइकिल का किराया एक रुपये से भी कम होता था। साइकिल चलाने और उपन्यास पढ़ने के मजे ने उन गर्मियों को खास बना दिया था। अलग-अलग जगहों पर समय का एहसास अलग- अलग होता है। यह वह समय नहीं है, जो हमारी घड़ियों में टिक-टिक करता है, बल्कि वह है, जो बैकग्राउंड में शांत और स्थिर रहता है- जैसे कोई खिड़की हो, जिससे अंदर और बाहर दोनों तरफ देखा जा सके। बड़े शहरों में समय का यह रूप देखने को नहीं मिलता। इस समय की शांति को बहुत कम लेखक पकड़ पाते हैं, लेकिन जब वे ऐसा करते हैं, तो हमें विनोद कुमार शुक्ल, सारा राय या नीलेश रघुवंशी जैसे लेखक मिलते हैं। लेकिन क्या 'बरेली की बर्फी' या 'तनु वेड्स मनु' जैसी फिल्में- जिन्हें अब छोटे शहर की फिल्में कहा जाता है- उनमें यह शांति सिनेमाई रूप से दिखाई देती है? इस सवाल का जवाब देने से पहले, कोई यह पूछ सकता है कि आखिर 'छोटा शहर' क्या है? अजमेर के साथ मेरा अनुभव शायद एक छोटे शहर जैसा ही था, और मुझे पूरा यकीन है कि आज का अजमेर मेरी इस परिभाषा को चुनौती देगा। असल में, जो न तो गांव है और न ही शहर, उसे अकसर छोटा शहर कहा जाता है- एक ऐसी श्रेणी जिसे 'नहीं' (यानी जो नहीं है) के आधार पर परिभाषित किया जाता है। पिछले एक-दो दशकों में हमने छोटे शहर पर आधारित फिल्मों और सीरियलों की बाढ़ देखी है। इनकी शुरुआत शायद 'बंटी और बबली' से हुई थी। आप देखिए कि बंटी न सिर्फ जगह छोड़ना चाहता है, पर वक्त की धीमी रफ्तार से भागना भी चाहता है। फुरसतगंज इस टाइम और स्पेस को साथ में किस खूबसूरती से मिलाता है, जहां से नए इंडिया के बेचैन नौजवान दूर भागना चाहते हैं। बबली पंकिनगर की हैं। जब हम बरेली या धनबाद या मिर्जापुर आते हैं, तो इनमें अपने अस्तित्व को बनाये रखने की बात है। छोटा शहर एक स्टेशन नहीं और न ही 'मदर इंडिया' वाला गांव है। छोटा शहर वो जगह है, जिसमें मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं और ख्वाहिशें उपज रही हैं और उनसे वह जूझता है। इस जद्दोजहद को फिल्मों ने कॉमेडी के रूप में दर्शाया है, तनाव के तौर पर नहीं। हम गोरियों के गांव और बम्बई-कलकत्ते के कालाबाजार को पीछे छोड़ आए हैं। जिन्हें गहराई चाहिए, उन्हें शहर से कुछ मील दूर जाना होगा, और वह भी साइकिल पर! छोटा शहर वो जगह है, जिसमें मध्यम वर्ग की नई आकांक्षाएं और ख्वाहिशें उपज रही हैं और उनसे वह जूझता है। इस जद्दोजहद को फिल्मों ने कॉमेडी के रूप में दर्शाया है, तनाव के तौर पर नहीं। हम गोरियों के गांव और बम्बई-कलकत्ते के कालाबाजार को पीछे छोड़ आए हैं। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,रीटा कोठारी)

बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है

हमारे बच्चे और टीनेजर्स आज जितनी बड़ी संख्या में भावनात्मक तनावों का सामना कर रहे हैं, उनसे पार पाना



मुश्किल लग सकता है। इनमें नींद की कमी, एकेडमिक प्रेशर और अकेलापन जैसी चीजें शामिल हैं। लेकिन दुनिया में जिस समस्या का इलाज करा रहे युवाओं की संख्या बढ़ रही है, वह है- एंग्जायटी। और यही पैरेंट्स की भी सबसे बड़ी चिंता है। एंग्जायटी से जूझ रहे बच्चे अकसर चीजों से बचते हैं, अलगाव का अत्यधिक भय दिखाते हैं या चिपके रहते हैं। बार-बार पेटदर्द जैसी परेशानियों की शिकायत करते हैं, जिनका कोई स्पष्ट कारण नहीं होता। अचानक गुस्सा हो जाते हैं। आमतौर पर ऐसे बच्चे बार-बार भरोसा मांगते हैं। इस बारे में बहुत-से विशेषज्ञों की सलाह का कलेक्शन यहां पेश है। इन्टेंसिव पैरेंटिंग बंद करेंः हम 'हेलीकॉप्टर पैरेंटिंग' के दौर में जी रहे हैं, जहां पैरेंट हमेशा बच्चे पर नजर रखते हैं। संस्कृति हम पर दबाव डाल रही है कि अच्छे पैरेंट्स बच्चे के जीवन में संघर्ष आने ही नहीं देते। ऐसी पैरेंटिंग का एक कारण सुरक्षा चिंताएं भी हो सकती हैं। हाल ही में एक छोटे बच्चे के शारीरिक उत्पीड़न का वीडियो वायरल होने के बाद बेंगलुरु के ब्रूकफील्ड स्थित कैंपजेमिनी के एचएएल कैंपस की क्रेच के दो केयरगिवर्स को गिरफ्तार किया गया। लेकिन दुर्भाग्य से पैरेंट्स जितनी 'ओवर पैरेंटिंग' करते हैं, बच्चा उतना ही कम क्षमतावान हो जाता है। 3 साल का बच्चा भी कठिन कार्य कर सकता हैः मैंने देखा है कि बच्चों के लिए म्यूजिक या डांस की पहली क्लास डरावनी होती है। वे रोते हैं और मां को छोड़कर दूसरे किसी ग्रुप में जाने से इनकार करते हैं। लेकिन उन मांओं को भरोसा होता है कि बच्चा यह कर सकता है। उनमें से ज्यादातर कहती हैं कि 'अभी यह मुश्किल लग रहा है, क्योंकि तुमने पहले कभी नहीं किया। लेकिन मम्मा जानती है कि तुम कर सकते हो।' ये सुनते ही बच्चे तुरंत डांस नहीं करने लगते। बल्कि, कई हफ्तों तक क्लासरूम के दरवाजे पर खड़े रहते हैं। फिर धीरे-धीरे शांत होकर क्लास जॉइन कर लेते हैं। यही नियम तब भी लागू होता है, जब वे स्कूल जाने से मना करते हैं। भावनाएं तथ्य नहीं होतींः जब बच्चा परेशान हो तो पैरेंट के तौर पर आपको भी परेशान नहीं होना चाहिए। जब आप प्यार से कहते हैं, 'ओह, क्या तुम्हें यह काम करने में बुरा लग रहा है' तो बच्चे की एंग्जायटी और बढ़ती है। उन्हें 'असहज और असुरक्षित' महसूस होता है, जिससे उनके मन में भावना आती है कि 'मैं यह नहीं कर सकता' या 'यह मेरे लिए नहीं है।' इसलिए हमेशा भावनाओं और तथ्यों में फर्क करने का प्रयास करें। एकेडमिक प्रेशर दुश्मन हैः बहुत से लोग मानते हैं कि किसी भी स्कूल में नंबर ही सबसे कीमती हैं। बच्चों से ज्यादा पैरेंट्स उनके नंबरों में रुचि लेते हैं और इसीलिए वे उनके होमवर्क को भी बारीकी से प्रबंधित करने लगते हैं। यदि आप होमवर्क में दखल देना बंद करें तो बच्चे ज्यादा मोटिवेटेड और एंगेज्ड महसूस करेंगे। बच्चों की पढ़ाई में पैरेंट्स को खुद ही मुख्य कर्ता-धर्ता बनने के बजाय सपोर्टिव रोल निभाना चाहिए। अकेलापन बड़ी समस्या हैः खराब मानसिक स्वास्थ्य का मुख्य कारण यही है। बच्चों के दोस्तों को घर बुलाकर इससे निपटने में उनकी मदद करें। स्क्रीन से कनेक्ट होने के बजाय उन्हें दोस्तों से जुड़ने दें। चूंकि बच्चों को ऊर्जा खर्च करने की जरूरत होती है, इसलिए उन्हें स्पोर्ट्स, क्लाइम्बिंग, टहलने, मार्शल आर्ट्स, डांस, साइक्लिंग और एक्सरसाइज के लिए प्रेरित करें। स्क्रीन कभी ऐसे अनुभव नहीं दे सकती। ये तनाव घटाने, साहस विकसित करने और असहजता को सहन कर सकने के शारीरिक तरीके हैं। आप देखेंगे कि उनकी काबिलियत बढ़ रही है। उनसे लगातार बात करते रहिए। मसलन, कॉलोनी के आसपास टहलते हुए उन्हें बताइए कि आपके बचपन में इस इलाके में कितने पेड़ होते थे। कैसे आप उन पर चढ़ते थे और उनके नाम क्या थे।उन्हें अपने बचपन के किस्से भी सुनाएं। फंडा यह है कि अपने बच्चों को ऐसी दुनिया से बचाइए, जो काम से ज्यादा दिखावे को महत्व देती है। उन्हें कन्ज्यूमिंग, स्क्रॉलिंग या सिर्फ सफलता की बातें करने के बजाय कुछ करने, बनाने और समस्याएं सुलझाने का महत्व बताइए। भविष्य में महज देखने या बातचीत करने वालों की तुलना में हमेशा वो लोग आगे रहेंगे, जो कुछ करते हैं। एन. रघुरामन

बच्चे को अकेला ही कर रही परफेक्ट जिंदगी देने की जिद,भाई-बहन न होने से अहम बातें साझा नहीं होतीं, रूठने-मनाने में भी कमजोर

द न्यू यॉर्क टाइम्स। पैरेंटिंग को लेकर दुनियाभर में लोगों का नजरिया तेजी से बदल रहा है। दंपती अब एक ही बच्चा चाहते



हैं। उन्हें लगता है कि एक बच्चा होगा तो वे उसे हर खुशी, बढ़िया पढ़ाई और ऐशो-आराम दे पाएंगे। लेकिन कभी सोचा है कि ऐसा करके बच्चों को ऐसे एकांत की तरफ धकेल रहे हैं, जहां उनके पास दिल की बात साझा करने के लिए भाई या बहन ही नहीं है...? अमेरिका से लेकर यूरोप तक इकलौते बच्चे वाले परिवारों की तादाद दोगुनी हो चुकी है। प्रजनन दर रिकॉर्ड स्तर पर गिर चुकी है। पर इस 'क्वालिटी पैरेंटिंग' के फेर में सबसे खूबसूरत चीज घरों से ओझल हो गई है...भाई-बहनों की प्यारी नोकझोंक, तकिए की लड़ाई और एक-दूसरे का साथ। एक्सपर्ट इसे 'सिबलिंग स्कूल' का गुम हो जाना बताते हैं। अमेरिका में हुई स्टडी में पांच या अधिक बच्चों वाली माताओं ने बताया- एक बच्चे की तुलना में पांच बच्चों की परवरिश आसान है, क्योंकि उनमें अच्छे संस्कार और चरित्र का विकास सहज रूप से हो जाता है।इस स्टडी का नेतृत्व चर्चित अमेरिकी अर्थशास्त्री डॉ. कैथरीन पकालूक ने किया। वे कहती हैं,'इसकी वजह दिलचस्प है- घर में एक से ज्यादा बच्चे होते हैं, तो वे स्वाभाविक रूप से शेयरिंग व केयरिंग सीख जाते हैं। खिलौने साझा करना, रिमोट के लिए झगड़ना और फिर खुद



ही मान जाना उनकी आदत बन जाती है। बड़े भाई-बहन खेल-खेल में छोटे बच्चों की देखभाल जैसे- डायपर बदलना, सुलाना और संभालना सीखते हैं। यही माहौल उन्हें बचपन से जिम्मेदार, धैर्यवान और दूसरों की परवाह करने वाला इंसान बना देता है। बच्चों का आपसी प्यार थेरेपी से असरदारः-एकल बच्चों में तनाव, एंग्जायटी और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इसलिए स्मार्टफोन व सोशल मीडिया को दोष देते हैं, पर असल वजह उनके 'कमरों का सन्नाटा' है। लॉस एंजेलिस की महिला बताती हैं कि उनका बेटा तनाव से जूझ रहा था, दवाइयां असर नहीं कर रही थीं। छोटी बहन के जन्म के बाद, उसे गोद में लेने से ही उसकी एंग्जायटी खत्म हो गई।' एक्सपर्ट कहते हैं,'छोटे बच्चे का बिना शर्त प्यार कई बार थेरेपी से ज्यादा मददगार व असरदार होता है।' बच्चे ही एक-दूसरे को बेहतर तरीके से गढ़ते हैंः एक्सपर्ट डॉ. कैथरीन कहती हैं,'आजकल पैरेंट्स बच्चों को सामाजिक बनाने के लिए समर कैंप, स्पोर्ट्स क्लब व एक्टिविटी पर लाखों खर्च करते हैं, जबकि यह सब कुछ भरा-पूरा परिवार बच्चों को घर में ही मुफ्त सिखा देता था। बचपन के शुरुआती 2-3 साल मुश्किल जरूर होते हैं, पर जीवनभर संबल देने वाला भाई-बहन का रिश्ता अमूल्य है। पैरेंट्स कितने भी संसाधन जुटा लें, वे भाई-बहन की कमी पूरी नहीं कर सकते। बड़े परिवारों में बच्चों को संस्कार व व्यावहारिक सीख सहज रूप से मिलते हैं, जैसे बगीचे में पेड़-पौधे एक-दूसरे की छांव में बढ़ते हैं। शुरुआती कठिन वर्षों से घबराएं नहीं, क्योंकि बच्चे ही एक-दूसरे को सबसे बेहतर तरीके से गढ़ते हैं।

ट्रम्प ने ईरान शांति वार्ता से जेडी वेंस को हटाया,कहा- वो घरेलू मामलों पर ध्यान दें,डेमोक्रेटिक राज्यों में भ्रष्टाचार की जांच करें

वॉशिंगटन डीसी।अमेरिका ने ईरान के तेल निर्यात को रोकने के लिए समुद्री नाकेबंदी कर रखी



है। वहीं, अमेरिकी नौसेना के जहाज दूसरे देशों के तेल टैंकरों की आवाजाही सुरक्षित रखने के लिए गश्त कर रहे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और सेना के बड़े अधिकारियों ने ट्रम्प को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई तेज करने के विकल्प भी दिए हैं। यानी ट्रम्प के पास युद्ध को फिर बढ़ाने का विकल्प मौजूद है। हालांकि, हाल ही में एक इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा था कि अब उन्हें ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं है। यही परमाणु कार्यक्रम युद्ध शुरू करने की प्रमुख वजह बताया गया था। ईरान ने होर्मुज खोलने के लिए शर्त रखी थीः- करीब दो सप्ताह पहले ईरान ने कहा था कि अगर अमेरिका उसकी शर्तें मान ले तो वह दो दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद सोशल मीडिया पर लिखा था, 'अमेरिकी मतदाताओं ने अपना फैसला सुना दिया है। अब व्हाइट हाउस की बारी है।' उन्होंने कहा था, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया थाः- अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाते हुए ईरान पर हमले शुरू किए थे। इसके बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए और दोनों के बीच जंग शुरू हो गई। अप्रैल की शुरुआत में दोनों पक्षों के बीच सीजफायर हुआ, लेकिन यह ज्यादा समय तक नहीं चला। जून में फिर से सीजफायर और जंग खत्म करने को लेकर समझौता हुआ, लेकिन अगस्त में यह भी टूट गया और तनाव फिर बढ़ गया। अब जंग रोकने को लेकर बातचीत चल रही है। इस बातचीत में परमाणु कार्यक्रम, होर्मुज स्ट्रेट खोलने और जंग खत्म करने जैसे मुद्दे शामिल हैं।

यूएई में बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को मारी टक्कर,3 भारतीयों समेत 14 की मौत मृतकों में केरल के जुड़वा भाई-बहन भी शामिल

फुजैराह। संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह में गुरुवार



देर रात एक बेकाबू ट्रक ने 23 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में तीन भारतीयों समेत 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हुए है। मरने वाले भारतीय केरल के मलप्पुरम जिले के एक ही परिवार के थे। इनमें जुड़वा भाई-बहन भी शामिल हैं। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई। कुछ शव बुरी तरह जल गए हैं, इसलिए मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच कराई जा रही है। हादसे में 7 देशों के नागरिकों की मौतः- यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसे में मारे गए लोगों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं।हादसे में घायल 30 लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया था। इनमें से करीब आधे लोगों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। बाकी का इलाज जारी है। केरल सरकार ने मृतकों के परिवार की मदद के आदेश दिएः- हादसे में जान गंवाने वाले तीनों भारतीय की पहचान मुहम्मद अस्मिल, उनकी जुड़वा बहन मिस्ना जुबिन और मुहम्मद फैज के रूप में हुई है। केरल के मुख्यमंत्री वीडी. सतीशन ने पीड़ित परिवार की मदद के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने परिवार को जरूरी सहायता उपलब्ध कराने को कहा है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने भी भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने कहा कि वह पीड़ित परिवारों के संपर्क में है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर उन्हें हर संभव मदद दे रहा है। टक्कर के बाद गाड़ियों में आग फैलीः- यूएई के गृह मंत्रालय के मुताबिक, हादसा फुजैराह शहर के एंट्री रूट पर आधी रात से कुछ समय पहले हुआ। सड़क पर ट्रैफिक धीमी गति से चल रहा था। इसी दौरान एक ट्रक के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया।

ट्रक पहले एक वाहन से टकराया और फिर पलटकर सड़क पर धीमी रफ्तार से चल रहे या रुके हुए वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर के बाद लगी आग तेजी से आसपास की गाड़ियों में फैल गई। हादसे में कुल 23 वाहन शामिल थे, जिनमें 18 कारें और 5 ट्रक थे। सूचना मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचावकर्मियों ने आग बुझाने, घायलों को निकालने और उन्हें अस्पताल पहुंचाने का काम किया।

भारत के रईस अंटार्कटिका की बर्फीली झीलें देखने जा रहे,फिनलैंड के जंगल, नॉर्दर्न लाइट्स पहली पसंद बने

फिनलैंड।रात में आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी यानी नॉर्दर्न लाइट्स देखने का अनुभव लेते हैं। इसके अलावा रेनडियर की



सवारी, हस्की डॉग स्लेज और स्नोमोबाइल जैसी गतिविधियां भी पर्यटकों को आकर्षित कर रही हैं। इन यात्राओं में सिर्फ घूमना ही नहीं, बल्कि प्रकृति के बीच कुछ दिन बिल्कुल अलग अंदाज में बिताना भी शामिल है। अब



कार खरीदने के साथ बर्फ पर चलाने का भी शौकः-पोर्श और लेम्बोर्गिनी जैसी लग्जरी कार कंपनियां ग्राहकों को बर्फीली झीलों और खास ट्रैक पर सुपरकार चलाने का मौका दे रही हैं। यानी अब सिर्फ महंगी कार खरीदना ही लग्जरी नहीं है, बल्कि उसे ऐसी जगह पर चलाने का अनुभव लेना भी अमीरी का नया तरीका बन गया है। इन खास आयोजनों में ग्राहक बर्फ पर कार चलाने की तकनीक सीखते हैं और प्रशिक्षकों की निगरानी में गाड़ी चलाते हैं। इसके लिए अलग से पैसा खर्च करना पड़ता है। सेहत और अच्छी नींद के लिए भी लाखों खर्चः- अमीरों के खर्च का एक बड़ा हिस्सा अब सेहत और वेलनेस पर भी जा रहा है। तनाव कम करने, अच्छी नींद लेने, वजन नियंत्रित करने और लंबी उम्र के लिए लोग महंगे वेलनेस कार्यक्रम चुन रहे हैं। केरल के कुछ वेलनेस सेंटर में एक दिन रुकने का खर्च 1.25 लाख रुपए तक है। यहां लोगों को योग, खानपान, आराम और सेहत से जुड़े खास कार्यक्रमों की सुविधा दी जाती है। एटलस ऑफ एफ्लुएंस 2026 के सर्वे के मुताबिक, 30फीसदी अमीरों ने बताया कि वे यात्रा और वेलनेस पर हर साल दो लाख रुपए या उससे ज्यादा खर्च करते हैं। वहीं, 17फीसदी लोग खास भोजन और डाइनिंग के अनुभवों पर पैसा खर्च करते हैं। भारत में करोड़पति परिवारों की संख्या करीब दोगुनीः- देश में बढ़ती अमीरी भी इस बदलाव की एक बड़ी वजह है। मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में करोड़पति परिवारों की संख्या 2021 में 4.58 लाख थी, जो 2025 में बढ़कर 8.71 लाख हो गई। यानी चार साल में इसमें करीब 90फीसदी की बढ़ोतरी हुई। अब सिर्फ मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों के अमीर ही नहीं, बल्कि अहमदाबाद, जयपुर और गुवाहाटी जैसे शहरों के संपन्न परिवार भी खास विदेश यात्राओं पर पैसा खर्च कर रहे हैं। बेन एंड कंपनी की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में लग्जरी अनुभवों के बाजार में 3फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि लग्जरी सामान की बिक्री करीब 1फीसदी घट गई। यूरोमॉनिटर इंटरनेशनल के अनुसार, भारत में लग्जरी होटल और महंगे खानपान का बाजार 2025 से 2030 के बीच हर साल 20फीसदी की दर से बढ़ सकता है। इसके 2030 तक 62,600 करोड़ रुपए पहुंचने का अनुमान है। यानी अमीरों की पसंद बदल रही है। अब महंगी चीजें खरीदकर दिखाने के बजाय वे उन अनुभवों पर खर्च करना चाहते हैं, जिन्हें हर कोई हासिल नहीं कर सकता।

व्हाइट हाउस के पास फायरिंग-1 की मौत,हमलावर ने जिम में घुसकर चलाईं गोलियां, खुद को भी गोली मारी

वॉशिंगटन डीसी। लोगों ने मशीनें बंद कर दी थीं और पूरी तरह चुप रहने की कोशिश कर



रहे थे। उन्होंने जिम में एक व्यक्ति को बेसुध पड़े देखा। विक्टोरिया ने कहा कि उन्हें यह सोचकर बहुत दुख हुआ कि वह व्यक्ति भी उनकी तरह सुबह एक्सरसाइज करने आया होगा। उसे भी उम्मीद रही होगी कि वह घर लौटकर अपने परिवार से मिलेगा, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। 5 दिन पहले हथियार के साथ युवक गिरफ्तारः- व्हाइट हाउस के पास 5 दिन पहले हथियारों के साथ एक वेनेजुएलाई युवक गिरफ्तार हुआ था। उसके पास से तीन बंदूकें और कई कारतूस मिले थे। पूछताछ में उसने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को मारने की बात कही थी। व्हाइट हाउस के पास फायरिंग की पुरानी घटनाएंः-1. दिसंबर 1994: व्हाइट हाउस के पास गोलीबारी हुई थी। हमलावर की चलाई गोलियों में से एक स्टेट डाइनिंग रूम की खिड़की तक पहुंची थी। 2. नवंबर 2011: ऑस्कर ओर्टेगा-हर्नांडिज ने व्हाइट हाउस की ओर राइफल से गोलियां चलाई थीं। कम से कम 8 गोलियां इमारत से टकराई थीं। 3. जुलाई 2021: लोगान सर्कल इलाके में गोलीबारी में 2 लोग घायल हुए थे। यह इलाका व्हाइट हाउस से करीब 1 मील दूर है। 4. अगस्त 2021: लोगान सर्कल के पास फिर गोलीबारी हुई। इसमें 2 लोग घायल हुए थे। 5. अक्टूबर 2023: व्हाइट हाउस से करीब 2 ब्लॉक दूर मैकफर्सन स्क्वायर में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 6. मार्च 2024: लोगान सर्कल के पास गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हुई और 5 घायल हुए थे। 7. 23 मार्च 2026: एक संदिग्ध शख्स ने व्हाइट हाउस के पास करीब 30 राउंड फायरिंग की। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति की जासूसी करने की कोशिश,पूर्व राष्ट्रपति के करीबी लोग गिरफ्तार

जकार्ता।ज्यादातर सैनिकों को बैरकों में ही रखा गया है और सड़कों पर सेना की बड़ी मौजूदगी



नहीं है।इंडोनेशिया में सेना और पुलिस के बीच पहले से तनाव रहा है। 1999 में पुलिस को सेना से अलग किया गया था। इसके बाद दोनों के बीच कई बार हिंसक झड़पें हो चुकी हैं। जोकोवी के कार्यकाल में पुलिस का प्रभाव ज्यादा था, जबकि प्रबोवो सेना के पूर्व जनरल रह चुके हैं। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच बढ़ता विवाद सेना और पुलिस के बीच तनाव को भी बढ़ा सकता है। उपराष्ट्रपति के इस्तीफे से राजनीतिक संकट बढ़ाः- इंडोनेशिया की सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर को कहा था कि गिब्रान ने हाईस्कूल की पढ़ाई पूरी किए बिना यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया था। इसके बाद संसद के 120 से ज्यादा सदस्यों ने उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की मांग की। गिब्रान ने जांच के बीच इस्तीफे की पेशकश की। यह मामला राष्ट्रपति की जासूसी से अलग है, लेकिन इससे प्रबोवो और जोकोवी के बीच राजनीतिक दूरी बढ़ गई। गिब्रान का उपराष्ट्रपति बनना जोकोवी और मौजूदा राष्ट्रपति प्रबोवो के बीच हुए राजनीतिक समझौते का हिस्सा था। हालांकि, दोनों के बीच कोई लिखित या औपचारिक समझौता नहीं हुआ था। इंडोनेशिया के पूर्व राष्ट्रपति जोकोवी 2014 से 2024 तक लगातार दो बार राष्ट्रपति रहे। संविधान के मुताबिक कोई व्यक्ति दो बार ही राष्ट्रपति बन सकता है। इसलिए 2024 में जोकोवी तीसरी बार राष्ट्रपति पद का चुनाव नहीं लड़ सकते थे।

प्रबोवो दो बार जोकोवी से राष्ट्रपति चुनाव हार चुके थे। इसके बाद उन्होंने जोकोवी के साथ मिलकर चुनाव लड़ा और जीत गए। प्रबोवो ने जोकोवी के बेटे गिब्रान को अपना उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया। इससे जोकोवी के समर्थक भी प्रबोवो के साथ जुड़ गए। अब गिब्रान के सरकार से अलग होने पर हालात बदल सकते हैं। जासूसी करने वालों को 10 साल तक की जेल हो सकती हैः-पुलिस प्रमुख सुयुडी आरियो सेटो ने संसद को बताया कि आरोपियों पर गैरकानूनी निगरानी, रिकॉर्डिंग और डेटा मिटाने से जुड़े कानूनों के तहत कार्रवाई की जाएगी। इंडोनेशिया के नए आपराधिक कानून की धारा 258 के तहत दोषी पाए जाने पर 10 साल तक की जेल हो सकती है। वहीं, मानवाधिकार संगठन एमनेस्टी इंटरनेशनल ने मामले की पूरी जांच कराने की मांग की है। संगठन का कहना है कि फोन टैपिंग का इस्तेमाल सरकार डराने और विरोधियों की आवाज दबाने के लिए भी कर सकती है।

यूपी में चंद्रशेखर और ओवैसी की पार्टियों में गठबंधन,सभी 403 सीटों पर लड़ेंगे, चंद्रशेखर सीएम फेस, प्रदेश में 40फीसदी दलित-मुस्लिम वोट

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)



के अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने गठबंधन का ऐलान किया है। इसका नाम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा रखा गया है। गठबंधन यूपी की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

गुरुवार को लखनऊ में संयुक्त प्रेसवार्ता में ओवैसी ने कहा कि चंद्रशेखर यूपी में सीएम का चेहरा होंगे। भाजपा को रोकने के लिए हमारा मोर्चा मजबूत विकल्प बनेगा।

सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि यह तीसरा मोर्चा नहीं, बल्कि पहला मजबूत मोर्चा होगा। बड़े गठबंधन में शामिल होने की कोशिश की, लेकिन हमें कमजोर समझा गया। उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि हम सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का स्वागत करते हैं।

समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए। यूपी में मुस्लिम आबादी 19फीसदी और दलित आबादी 21फीसदी है। गठबंधन की नजर इसी 40फीसदी आबादी के वोटों पर है। इस गठबंधन का सीधा असर सपा और बसपा के वोट बैंक पर पड़ सकता है। अखिलेश यादव बोले- सामाजिक परिवर्तन मोर्चा' का हम स्वागत करते हैंः-सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- समाज के स्तर पर परिवर्तन होना ही चाहिए। लेकिन, सच में सफलता तभी मिलेगी जब 'राजनीतिक परिवर्तन मोर्चा' सक्रिय होगा। पीडीए समाज के भले के लिए जो भी साम्प्रदायिक ताकतों से सच में लड़ेगा, उसकी ईमानदार आवाज अवाम तक पहुंचाने में हम सहयोग करेंगे।

इसका एक फायदा विपक्ष को ये मिलेगा कि भावनात्मक जुमलों और छलावे में आकर जो लोग साम्प्रदायिक शक्तियों को वोट दे देते थे, वो अब उनकी तरफ नहीं जाएंगे। बहकावे में आकर वोट देने वाले ऐसे भोले-भाले लोगों के लिए अब एक और विकल्प खुला होगा।

इससे भाजपा को 2-3फीसदी वोटों की हानि और होगी। भाजपा तो कहीं की नहीं रहेगी। सपा के पूर्व मंत्री अरविंद सिंह गोप ने कहा- प्रदेश की जनता जान चुकी है कि 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। कोई भी बहकावे में नहीं आने वाला। उन्होंने कहा कि जिस पार्टी को वे लोग विदा करने जा रहे हैं, उसकी चिंता बढ़ गई है। अब वह किस-किस को चुनाव मैदान में उतार रही है, यह उसकी चिंता है। राकेश टिकैत बोले- ओवैसी सरकार का आदमी, चंद्रशेखर चक्कर में न पड़ेंः-किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा- ओवैसी सरकार के आदमी हैं। चंद्रशेखर को उनके चक्कर में नहीं पड़ना चाहिए। ओवैसी केवल अखिलेश की बुराई करते हैं। मुसलमानों को भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। बेईमानी हुई तो विपक्ष नहीं सरकार जीतेगी। कांग्रेस बोली- अब्दुल सीएम कहते-कहते चंद्रशेखर को घोषित कियाः- कांग्रेस लीडर आसिम वकार ने कहा- 'ओवैसी चिल्ला-चिल्लाकर अखिलेश और राहुल गांधी से कहते थे कि किसी मुसलमान को सीएम का चेहरा बनाओ, अब्दुल दरी नहीं बिछाएगा। लेकिन अब खुद गठबंधन में चंद्रशेखर को सीएम का चेहरा बना दिया। अब बताइए, अब्दुल क्या करेगा? यूपी का मुसलमान खुद तय करेगा कि इस बार मुख्यमंत्री कौन बनेगा।'

नेतन्याहू को पीएम बनने से रोकने का बिल लाए आइजनकोट-भ्रष्टाचार के आरोपी प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे

तेल अवीव। इजराइल में बेंजामिन नेतन्याहू को प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए गादी आइजनकोट ने स्पेशल बिल पेश किया है। इसमें कहा गया है



कि भ्रष्टाचार का मुकदमा झेल रहे नेता प्रधानमंत्री नहीं बन सकेंगे। नेतन्याहू पर अभी भ्रष्टाचार के 3 मामले चल रहे हैं, बिल पास हुआ तो वे अब इजराइल के पीएम नहीं बन पाएंगे। आइजनकोट और उनके सहयोगी बुधवार को इजराइली संसद में कुल 8 बिल लाए। इनमें प्रधानमंत्री पद पर रहने का समय तय करने और नेतन्याहू सरकार के कुछ पुराने फैसले रद्द करने का प्रावधान है। इजराइल में क्या-क्या बदलना चाहते हैं आइजनकोट? पीएम कितने साल रह सकेंगे, यह तय होगाः आइजनकोट का प्रस्ताव है कि कोई भी व्यक्ति तय समय से ज्यादा प्रधानमंत्री के पद पर न रह सके। इसके लिए पीएम के कार्यकाल की अधिकतम अवधि तय की जाएगी। इससे नेतन्याहू जैसे नेता लंबे समय तक लगातार सत्ता में नहीं रह पाएंगे। नेतन्याहू इजराइल के इतिहास में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे हैं। हमास के हमले की जांच होगीः 7 अक्टूबर 2023 को हमास ने इजराइल पर हमला किया था। गादी चाहते हैं कि एक स्वतंत्र आयोग इस बात की जांच करे कि हमले से पहले इजराइल की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां कहां चूक गई थीं। आयोग के सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट चुनेगा। इस जांच में नेतन्याहू सरकार की जिम्मेदारी भी तय हो सकती है। कोर्ट की ताकत बढ़ेगीः नेतन्याहू सरकार ने ऐसे कानून बनाए थे, जिनसे अदालतों की ताकत कम हुई थी। आइजनकोट इन कानूनों को रद्द करना चाहते हैं। इससे अदालतें सरकार के फैसलों की ज्यादा जांच कर सकेंगी और गलत पाए जाने पर उन्हें रोक भी सकेंगी। संसद का स्पीकर बदला जाएगाः आइजनकोट का खेमा संसद के मौजूदा स्पीकर ओहाना को हटाकर उनकी जगह कहाना को लाना चाहता है। ओहाना नेतन्याहू के समर्थक हैं। स्पीकर बदलने से गादी आइजनकोट के खेमे को संसद में अपने बिल पास कराने में मदद मिल सकती है। अरब पार्टियों ने समर्थन के बदले शर्तें रखी हैंः-गादी आइजनकोट इजराइल के अगले प्रधानमंत्री हो सकते हैं। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने उन्हें अगली सरकार बनाने के लिए चुना है। आइजनकोट के पास सरकार बनाने के लिए 6 हफ्ते का समय है। इस दौरान उन्हें संसद में बहुमत साबित करना होगा। सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। आइजनकोट के गठबंधन को 6 पार्टियों के 67 सांसदों ने समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास 46 सांसदों का समर्थन है। जो बहुमत के आंकड़े से बहुत दूर है। नेतन्याहू को सत्ता से दूर रखने के लिए अरब पार्टियों ने आइजनकोट का समर्थन करने की बात कही है। हालांकि इसके बदले इन पार्टियों ने कुछ मांगें रखी हैं। सूत्रों के मुताबिक वे आवास और अपराध से जुड़े कानूनों में बदलाव चाहती हैं। अरब पार्टियां कामिनित्ज कानून खत्म करना चाहती हैं। इस कानून के तहत बिना सरकारी मंजूरी के बनाए गए घरों पर जुर्माना लगाया जा सकता है और उन्हें गिराने का आदेश दिया जा सकता है। अरब पार्टियों का कहना है कि उनके इलाकों में घर बनाने की सरकारी मंजूरी आसानी से नहीं मिलती। ऐसे में लोगों को मजबूरी में बिना मंजूरी के घर बनाने पड़ते हैं। बाद में इसी कानून के तहत उनके घरों पर कार्रवाई होती है। इसलिए वे इस कानून को खत्म करना चाहती हैं। नेतन्याहू समर्थकों ने गृहयुद्ध छिड़ने की चेतावनी दीः-गादी आइजनकोट के सरकार बनाने की कोशिशों का नेतन्याहू समर्थक विरोध कर रहे हैं। येरुशलम में संसद के बाहर सैकड़ों लोग जुटे। इनमें नेतन्याहू के समर्थक और दक्षिणपंथी संगठन शामिल थे। प्रदर्शनकारियों का विरोध इस बात को लेकर था कि गादी अरब पार्टियों के समर्थन से सरकार बनाना चाहते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसी सरकार बनी तो देश में गृहयुद्ध छिड़ सकता है। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने 'हमें यहूदी राष्ट्र चाहिए' और 'आतंकवादियों के साथ सरकार मत बनाओ' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शन का आयोजन दक्षिणपंथी संगठन इम तिर्त्जू ने किया था। प्रदर्शनकारियों ने चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर दोबारा मतदान कराने की मांग भी की।

राहुल का आरोप- मोदी मेरा फोन टैप करा रहे,बोले- आमने-सामने बहस करें, तो मोदी पीएम नहीं रहेंगे

नयी दिल्ली। राहुल गांधी ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर उनका फोन टैप करने का आरोप लगाया। राहुल ने इंस्टाग्राम पर 'ऑस्क मी' सेशन में मोबाइल दिखाते हुए कहा, विदेशी फंडिंग के सबूत यहां है। पीएम जानते हैं कि वह मेरा फोन टैप करा रहे हैं। उन्होंने फिर बहस की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि मेरे साथ आमने-सामने की बातचीत के बाद मोदी पीएम पद पर नहीं रहेंगे। पिछले 12 दिन में यह सातवीं बार है, जब राहुल ने पीएम मोदी को बहस के लिए बोला है। यूजर का सवालः मोदी कहते हैं कि आपको विदेश से मदद मिल रही है, जबकि आप कहते हैं कि मोदी विदेशी ताकतों के इशारे पर काम कर रहे हैं। इन दोनों दावों के समर्थन में सबूत कहां हैं? राहुल का जवाबः उनके फोन में ही सभी आरोपों के सबूत हैं। वन-ऑन-वन डिबेट से यह साबित हो जाएगा कि विदेशी ताकतों के इशारे पर कौन काम कर रहा है, देश विरोधी कौन है और कब से देश विरोधी गतिविधियों में शामिल है। राहुल ने यह भी कहा कि ऐसी कई दूसरी जानकारियां उनके पास हैं, जिनके बारे में उन्हें पता है और जो उनके फोन में मौजूद हैं। यूजर का सवालः भाजपा कह रही है कि बहस संसद में होनी चाहिए, फिर वे पब्लिक डिबेट पर क्यों अड़े हैं? राहुल का जवाबः संसद में कई मुद्दों पर बोलने की कोशिश की, लेकिन मेरा माइक बंद कर दिया जाता है। मुझे किसान कानून, वोट चोरी, सावरकर, चीन, जनरल नरवणे की किताब और एप्स्टीन से जुड़े मुद्दों पर बोलने नहीं दिया गया। मैं संसद में होने वाली भाषणबाजी नहीं, बल्कि पीएम मोदी के साथ आमने-सामने की बहस चाहता हूं। एक टेबल के एक तरफ नरेंद्र मोदी हों और दूसरी तरफ मैं। वे मुझ पर आरोप लगाएं और मैं उन पर।

भाजपा अडाणी और मोहन भागवत को जज बनाना चाहती है, तो उन्हें इससे भी कोई दिक्कत नहीं है। मैं गारंटी देता हूं कि आमने-सामने बहस के बाद नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री नहीं रह पाएंगे। यूजर ने पूछाः उन्हें पीएम मोदी के साथ और किन मुद्दों पर बहस करनी चाहिए? राहुल का जवाबः दिल्ली के प्रदूषण और वन-टू-वन बहस की चुनौती पर। दिल्ली का एक्यूआई या बहस का न्योता, मोदी इनमें से किसे ज्यादा नजरअंदाज करेंगे। अगर मोदी बहस के लिए आते हैं, तो उन्हें अपने एयर चैंबर से बाहर निकलकर आम लोगों की तरह सांस लेनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि बहस में मोदी को इन दोनों मुद्दों पर बात करने का मौका मिलेगा।

पेंडेट पर विवाद-सैफ करीना पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के 4 आरोप, धर्म परिवर्तन, तैमूर के नाम पर हुई आलोचना

मुंबई। करीना कपूर को भोपाल के नवाब परिवार की विरासत से जुड़ा आयत-उल-कुर्सी लिखा पेंडेट पहनने पर कानूनी नोटिस भेजा गया है। उन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया गया है। जिस लुक पर विवाद हुआ, उसमें करीना ने भोपाल के नवाब हमीदुल्लाह खान की 200 साल पुरानी हीरे जड़ी हुई कलगी भी पहनी थी। इससे पहले भी करीना ने शादी में 1939 में बेगम साजिदा सुल्तान द्वारा उनकी शादी में पहना हुआ जोड़ा पहना था। लेकिन अब उनके पेंडेंट पर बड़ा विवाद हो गया है। उनसे माफी की मांग की गई है, कुछ लोग उनके सपोर्ट में भी उतरे हैं। लेकिन ये इस तरह का कोई पहला मामला नहीं है, जब करीना या सैफ धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप झेल रहे हैं। दोनों कभी सिख समुदाय, तो कभी क्रिश्चियन समुदाय की भावनाएं आहत करने के आरोपों से गुजर चुके हैं। वहीं इसके अलावा भी कपल को शादी और बेटे का नाम तैमूर रखने से आलोचना का सामना करना पड़ा। करीना कपूर ने दिवाली 2026 के मौके पर सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की



थीं। इनमें वह डिजाइनर पुनीत बलाना का चांदी के वर्क वाला बेज रंग का काफ्तान और मैचिंग पगड़ी पहने नजर आईं। हालांकि, उनके लुक में सबसे ज्यादा चर्चा जूलरी की हुई। करीना ने गले में 30 कैरेट का पन्ना पहना था, जिस पर कुरान की आयत-उल-कुर्सी उकेरी गई है। यह पेंडेंट भोपाल की बेगम की पुश्तैनी विरासत बताया गया है। इसके अलावा उन्होंने सिर पर करीब 200 साल पुरानी हीरे की कलगी भी पहनी थी, जो भोपाल के नवाब परिवार से जुड़ी है। विवाद कैसे शुरू हुआ? 11 नवंबर 2026 को मध्य प्रदेश कांग्रेस के नेता अब्बास हफीज ने करीना कपूर और उनकी स्टाइलिस्ट रिया कपूर को कानूनी नोटिस भेजा। उनका कहना है कि पेंडेंट पर कुरान की आयत लिखी है, इसलिए उसे पहनने और सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का तरीका धार्मिक मर्यादा के अनुरूप होना चाहिए। नोटिस में सोशल मीडिया से तस्वीरें और वीडियो हटाने, सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और भविष्य में ऐसी प्रस्तुति से बचने की मांग की गई है। हफीज ने कहा कि उन्हें करीना के कपड़ों या सामान्य तौर पर जूलरी पहनने से आपत्ति नहीं है, बल्कि पवित्र आयत को जिस अंदाज में दिखाया गया, उस पर सवाल है। विवाद के बीच हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने करीना का समर्थन किया। उनका कहना है कि करीना ने पेंडेंट को गले में, दिल के करीब पहना है और इसमें माफी मांगने जैसी कोई बात नहीं है। कैसे नवाबों का पेंडेंट और कलगी करीना तक पहुंची? नवाब हमीदुल्लाह खान भोपाल रियासत के आखिरी शासक थे। करीना और सैफ द्वारा पहनी गई कलगी, हमीदुल्लाह खान की हुआ करती थी, जो सालों बाद अब करीना ने इस्तेमाल की है। नवाब हमीदुल्लाह खान की बेटी बेगम साजिदा सुल्तान की शादी पटौदी विरासत वेज नवाब इफ्तिखार अली खान से हुई थी। इस शादी से उन्हें बेटे मंसूर अली खान पटौदी हुए, जो भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे। मंसूर अली खान ने 1968 में एक्ट्रेस शर्मिला टैगोर से शादी की, जिससे उन्हें 3 बच्चे, सैफ, सबा और सोहा हुए।

8 साल का बेटा इंटरनेट यूज करने लगा है,ऑनलाइन दुनिया सेफ नहीं, बच्चे को डिजिटल सेफ्टी के बारे में कब और कैसे सिखाएं

जयपुर। सवाल- मैं 36 साल का हूं और मेरा बेटा 8 साल का है। वह मोबाइल पर वीडियो देखता है और धीरे-धीरे डिजिटल दुनिया से परिचित हो रहा है। अभी वह इंटरनेट की दुनिया को मनोरंजन के साधन की तरह ही देखता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ उसका ऑनलाइन दायरा बढ़ेगा। मैं चाहता हूं कि वह तकनीक का सही इस्तेमाल करना सीखे, लेकिन ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर भी जागरूक रहे। उसे कैसे समझाऊं कि इंटरनेट पर हर जानकारी सही नहीं होती, हर लिंक सुरक्षित नहीं होता और अनजान लोगों से बातचीत करना जोखिम भरा हो सकता है? बच्चों को डिजिटल सुरक्षा की समझ किस उम्र से देनी चाहिए और इसकी शुरुआत कैसे करें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। आठ साल की उम्र में बच्चे नई चीजें जानने, सवाल पूछने और खुद फैसले लेना सीख रहे होते हैं। इस उम्र में उनकी सोच अभी इतनी मैच्योर नहीं होती कि वे ऑनलाइन दिखने वाली चीज में सही और गलत के बीच अंतर कर सकें। इसलिए आपकी चिंता स्वाभाविक है। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे में डिजिटल दुनिया की समझ विकसित करें, ताकि वह इसका सही इस्तेमाल कर सके। बच्चों को डिजिटल सेफ्टी सिखाना क्यों जरूरी? डिजिटल सेफ्टी सिखाने से बच्चे ऑनलाइन जोखिम पहचानना, अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखना और किसी परेशानी में बड़ों से मदद मांगना सीखते हैं। डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए किन वजहों से खतरनाक हो सकती है, डिजिटल दुनिया बच्चों के लिए क्यों खतरनाक? गेमिंग की लत लग सकती है। बच्चा गलत कंटेंट देख सकता है।एडल्ट एक्सपोजर हो सकता है। गलत बात को सच मान सकता है। अजनबियों पर भरोसा कर सकता है। पर्सनल डिटेल्स बता सकता है। अनजान लिंक खोल सकता है। स्कैमर्स के जाल में फंस सकता है। ब्लैकमेल का शिकार हो सकता है। संभावित डेंजर जोनः-साइबर बुलिंग, आइडेंटिटी चोरी, फाइनेंशियल फ्रॉड,किंग फ्रॉड डेटा स्क्रीन की लत, नींद, पढ़ाई पर असर, मेंटल स्ट्रेस, डेटा मिसयूज। डिजिटल सेफ्टी सिखाने की सही उम्र।



हर उम्र में बच्चे की समझने और चीजों को परखने की क्षमता अलग होती है। इसलिए उसे डिजिटल सुरक्षा के नियम भी उम्र और मानसिक विकास के अनुसार समझाने चाहिए। 8 साल की उम्र में बच्चा सही-गलत के बीच अंतर समझना सीख रहा होता है, लेकिन उसकी निर्णय लेने और जोखिम पहचानने की क्षमता अभी पूरी तरह विकसित नहीं होती। ऐसे में उसे सिर्फ नियम बताना काफी नहीं है, बल्कि रोजमर्रा के उदाहरणों से समझाना जरूरी है, जैसेकि- 'बेटा, कोई फ्री गेम या इनाम का लिंक भेजे, तो उस पर क्लिक मत करना।' 'अपना नाम, स्कूल, पता या फोटो किसी अनजान व्यक्ति को कभी मत भेजना।' 'कुछ ऐसा दिखे, जिससे डर लगे या असहज महसूस हो, तो तुरंत हमें बताना।' बच्चों को डिजिटल सेफ्टी कैसे सिखाएं? छोटी उम्र से शुरुआत करें। उम्र के हिसाब से समझाएं। आसान उदाहरणों से समझाएं। इंटरनेट यूज के नियम बनाएं। सवाल पूछने के लिए प्रेरित करें। सही-गलत की पहचान बताएं। बच्चे के सवालों के जवाब दें। गलती पर डांटें नहीं, समझाएं। डेटा की अहमियत बताएं। मुश्किल में मदद मांगना सिखाएं। पेरेंट्स इन बातों का रखें ध्यानः-ऑनलाइन गेम, वीडियो और वेबसाइट इस्तेमाल करते समय बच्चों को ऐसे मैसेज मिल सकते हैं, जिनमें फ्री गिफ्ट, इनाम, नए गेम या अतिरिक्त पॉइंट्स देने का झांसा दिया जा सकता है। इसके लिए बच्चों को कुछ बातें बताएं- बच्चों को सिखाएं डिजिटल सेफ्टी के 9 रूल्स- कोई लिंक नहीं खोलना है।कोई एप नहीं डाउनलोड करना है। ओटीपी किसी को नहीं बताना है। किसी ऑफर को सच नहीं मानना है। पर्सनल डिटेल्स नहीं बतानी हैं। अनजान लोगों से बात नहीं करनी है। हर बात पर भरोसा नहीं करना है। कोई ब्लैकमेल करे तो बताना है। कोई परेशान करे तो पेरेंट्स से कहना है। खेल-खेल में समझाएं सेफ्टी रूल्स। बच्चे खेल, बातचीत और खुद अनुभव करके चीजें बेहतर तरीके से सीखते हैं। इसलिए डिजिटल सेफ्टी को भी रोजमर्रा वेज खेल वगा हिस्सा बनाएं।उदाहरण के लिए- बच्चे के साथ एक काल्पनिक गेम खेलें। उससे पूछें कि अगर किसी अनजान व्यक्ति का मैसेज आए, कोई ऑनलाइन दोस्त निजी जानकारी मांगे या वेबसाइट पासवर्ड डालने को कहे, तो वह क्या करेगा? उसके जवाब पर चर्चा करें और सही विकल्प समझाएं। इस तरह बार-बार अभ्यास करने से बच्चे में सही-गलत पहचानने, खतरे को समझने और मुश्किल स्थिति में सही फैसला लेने का आत्मविश्वास विकसित होता है। बच्चे को डिजिटल सेफ्टी सिखाने के लिए डर या सजा की बजाय भरोसे का माहौल बनाएं। जब उसे यकीन होगा कि गलती होने पर डांट नहीं पड़ेगी, बल्कि पेरेंट्स उसकी बात सुनेंगे, तो वह परेशानी छिपाने की बजाय मदद मांगेगा। बच्चों के लिए डिजिटल सेफ्टी टूल्सः-कुछ डिजिटल टूल्स की मदद से ऑनलाइन एक्टिविटीज को सुरक्षित बनाया जा सकता है। ये टूल्स बच्चों को अनुचित कंटेंट और ऑनलाइन जोखिमों से बचाने में मदद करते हैं। 1. पेरेंटल कंट्रोल-इसकी मदद से पेरेंट्स बच्चे वेज मोबाइल इस्तेमाल करने के समय, एप्स और ऑनलाइन एक्टिविटीज को कंट्रोल व मॉनिटर कर सकते हैं। इसमें स्क्रीन टाइम तय करने, एप्स ब्लॉक करने और नए एप डाउनलोड करने की परमिशन देने जैसे विकल्प मिलते हैं। 2. सेफ सर्च-यह इंटरनेट पर सर्च करते समय अश्लील या उम्र के हिसाब से अनुचित कंटेंट वाले रिजल्ट्स को फिल्टर करने में मदद करता है। पेरेंट्स गूगल सर्च में 'सेफ सर्च' का विकल्प ऑन कर सकते हैं। 3. यूट्यूब किड्स- यह बच्चों के लिए बनाया गया यूट्यूब वीडियो एप है। इसमें पेरेंट्स बच्चे की उम्र के अनुसार कंटेंट सेटिंग चुन सकते हैं। साथ ही वीडियो ब्लॉक कर सकते हैं और सर्च की सुविधा बंद कर सकते हैं। आठ साल के बच्चे के लिए 5-8 साल वाला विकल्प चुन सकते हैं। फिर भी वीडियो पर नजर रखना जरूरी है, क्योंकि कोई भी फिल्टर पूरी तरह सटीक नहीं होता। 4. स्क्रीन टाइम सेटिंग-इसकी मदद से मोबाइल या किसी खास एप के इस्तेमाल की समय-सीमा तय की जा सकती है। पढ़ाई, खाने और सोने के समय डिवाइस के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए भी शेड्यूल बनाया जा सकता है। अगर बच्चा कोई गलती कर दे तो क्या करें? मान लीजिए बच्चा किसी अनजान लिंक पर क्लिक कर देता है या किसी अनजान व्यक्ति से अपनी निजी जानकारी शेयर कर देता है।

ऐसी स्थिति में उसे डांटना, शर्मिंदा करना या तुरंत मोबाइल छीन लेना सही नहीं है। ऐसे में ये कदम उठाएं- उसे बताएं कि गलती बताने पर आप उसका साथ देंगे, सजा नहीं देंगे। बिना बीच में टोके पूछें कि उसने क्या देखा, किससे बात की और क्या जानकारी शेयर की। संदिग्ध व्यक्ति को ब्लॉक करें, अकाउंट के पासवर्ड बदलें और संबंधित प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट करें।

बच्चे को समझाएं कि आगे ऐसी स्थिति आने पर उसे क्या करना चाहिए। अगर बच्चे ने निजी फोटो शेयर की है, कोई उसे धमका रहा है या ब्लैकमेल कर रहा है, तो उसे दोष न दें। सभी सबूत सुरक्षित रखें और जरूरत पड़ने पर साइबर क्राइम पोर्टल या पुलिस की मदद लें। अंतिम बात-डिजिटल सेफ्टी एक बार सिखाकर पूरी होने वाली प्रक्रिया नहीं है।

बच्चे की उम्र और ऑनलाइन एक्टिविटीज के साथ सुरक्षा से जुड़े सबक भी बदलने चाहिए। नियमित बातचीत, सही मार्गदर्शन और आपसी भरोसा ही बच्चे को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित और जिम्मेदार बना सकता है।

जूही चावला हुई 59 की-आमिर ने हाथ पर थूका तो दोस्ती टूटी, सलमान से शादी का रिश्ता ठुकराया,शाहरुख को थप्पड़ मारा,तीनों खान..!

मुंबई। बॉलीवुड की सबसे हंसमुख अदाकारा जूही चावला आज अपना 59वां जन्मदिन मना रही हैं। 80 और 90 के दशक में अपनी खूबसूरत मुस्कान और



शानदार अभिनय से दर्शकों के दिलों पर राज करने वाली जूही आज देश की सबसे अमीर अभिनेत्री हैं। 1986 में फिल्म 'सल्तनत' से डेब्यू करने वाली जूही ने अपने 40 साल के फिल्मी करियर में 100 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। वे बॉलीवुड की कुछ चुनिंदा एक्टर्स में से एक हैं जिन्होंने तीनों खान शाहरुख, आमिर और सलमान के साथ काम किया है। सलमान के साथ बतौर लीड एक्ट्रेस जूही ने कोई फिल्म नहीं की इसके बावजूद सलमान उन्हें काफी पसंद करते थे। सलमान जूही चावला से शादी करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने जूही के पिता से उनका हाथ भी मांग लिया था। लेकिन जूही और उनके पिता ने सलमान को रिजेक्ट कर दिया। जूही ने कभी गुस्से में शाहरुख खान को थप्पड़ जड़ दिया था, तो आमिर खान की एक घिनौनी हरकत से नाराज होकर उनसे 5 साल तक बात नहीं की थी। आज जूही चावला के बर्थडे के खास मौके पर जानिए सलमान, शाहरुख और आमिर के साथ उनकी



दोस्ती और अनबन की कहानी-

आमिर ने कभी हाथ पर थूका तो कभी सांप पकड़ायाः-आमिर खान ने अपने करियर की शुरुआत ही जूही चावला के साथ की थी। दोनों साल 1988 की पिक्चर 'कयामत से कयामत तक' में नजर आए थे। इसके बाद दोनों ने कई फिल्मों में काम किया था और वो अच्छे दोस्त भी थे, लेकिन आमिर के मजाक की आदत ने दोनों के बीच सालों की दरार डाल दी। एक बार फिल्म 'हम हैं राही प्यार के' की शूटिंग के वक्त आमिर ने जूही को मजाक मस्ती में पानी में धक्का दे दिया था। जूही पानी में गिर पड़ीं और आमिर की इस हरकत से नाराज हो गई थीं। इससे पहले भी आमिर जूही के साथ एक ऐसा प्रैंक कर चुके थे। फिल्म 'तुम मेरे हो' की शूटिंग के दौरान आमिर ने जूही को हाथ में एक सांप पकड़ा दिया और उनके करीब आने की कोशिश करने लगे। यह देख जूही डर गईं और सेट पर ही भागने लगीं। आमिर मजाक कर रहे थे लेकिन जूही को लगा कि आमिर कुछ गलत करने वाले थे। जूही डर के मारे पूरे सेट पर चीखते हुए भागने लगी थीं। हद तो तब हो गई थी जब आमिर ने जूही के साथ फिल्म 'इश्क' के सेट पर मजाक किया था, लेकिन इस बार ये मजाक महंगा पड़ गया। 'अंखियां तू मिला ले राजा' गाने की शूटिंग के दौरान आमिर जूही के पास गए और उन्हें कहा कि वह ज्योतिष विद्या जानते हैं और उनका हाथ देख सकते हैं। जूही को आमिर की बातों पर भरोसा हो गया और उन्होंने अपना हाथ जैसे ही आमिर के सामने रखा, उन्होंने उनके हाथ पर थूक दिया। लेकिन आमिर के बुरे दौर में दिया सहाराः-आमिर खान से इस कदर नाराज थीं कि जब उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' में आमिर के अपोजिट लीड रोल ऑफर हुआ, तो उन्होंने गुस्से में सिर्फ आमिर का नाम सुनकर फिल्म ठुकरा दी। जूही के इस फैसले से आमिर भी हैरान रह गए थे, जिसके बाद वह रोल करिश्मा कपूर को मिला और उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुआ। हालांकि 5 साल बाद दोनों का यह झगड़ा खत्म हुआ और उनकी दोस्ती वापस पटरी पर लौटी। जब आमिर खान का अपनी पहली पत्नी रीना दत्ता से तलाक हुआ, तो आमिर बेहद डिप्रेशन और मानसिक तनाव से गुजर रहे थे। उस दौर में आमिर रोज रात को सोने के लिए शराब पीने लगे थे। तब जूही चावला अपनी पुरानी नाराजगी भूलकर आमिर के घर जाती थीं, उनका हौसला बढ़ाती थीं और उन्हें इस मुश्किल दौर से बाहर निकालने में मदद करती थीं। गुस्से में शाहरुख खान को जड़ दिया था थप्पड़ः-

शाहरुख खान और जूही चावला की ऑनस्क्रीन जोड़ी जितनी सुपरहिट रही, ऑफस्क्रीन उनकी दोस्ती उतनी ही गहरी है। लेकिन इसी दोस्ती के बीच एक बार ऐसा दौर भी आया जब जूही ने गुस्से में आकर शाहरुख को थप्पड़ जड़ दिया था। डायरेक्टर विवेक शर्मा ने बताया था की दोनों एक्टर्स फिल्म 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' की शूटिंग के दौरान फिल्म के एक्शन मास्टर एक एक्शन सीन फिल्मा रहे थे। इस एक्शन सीन को लेकर शाहरुख खान बहुत उत्साहित थे। एक्शन सीक्वेंस के दौरान एक आग का गोला निकलता है। जूही को इसकी जानकारी ही नहीं थी। जब सीन शूट होना शुरू हुआ और आग का गोला बूम से निकला तो जूही चावला काफी डर गईं और गुस्से में शाहरुख खान को एक थप्पड़ भी जड़ दिया और शूटिंग छोड़कर अपनी वैनिटी वैन में चली गईं। शाहरुख को लगा कि उनकी गलती की वजह से जूही नाराज हुई हैं तो वह खुद गए और जूही को मना कर वापस लाए। जबकि इसमें शाहरुख खान की कोई गलती नहीं थी। जूही को लगा कि शाहरुख को सब पता था और उन्होंने नहीं बताया। मुश्किल वक्त में शाहरुख ने दिया साथ, जूही ने आर्यन की जमानत कराईः- केवल फिल्मों में ही नहीं शाहरुख-जूही रियल लाइफ में भी एक दूसरे के जोड़ीदार हैं। एक इंटरव्यू में जूही ने बताया था कि जब उनके भाई कोमा में चले गए थे, तो वो पूरी तरह से अकेली हो गई थीं। मां-पापा के जाने के बाद उनके भाई ही थे जो उनका ख्याल रखते थे। उनके इस मुश्किल वक्त में शाहरुख खान ही थे, जिन्होंने जूही को बहुत सपोर्ट किया था। जूही अक्सर कहती हैं कि 'अगर मुझे किसी चीज की जरूरत हो और मैं शाहरुख को फोन करूं तो मैं जानती हूं वह पलक झपकते ही मेरे पास पहुंच जाएंगे।' यह दोस्ती सिर्फ एकतरफा नहीं रही। जब शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को 2021 में ड्रग्स केस के सिलसिले में जेल जाना पड़ा था, तो जूही चावला ही थीं जो सेशन कोर्ट पहुंचीं और आर्यन की 1 लाख रुपए की जमानत के लिए मुख्य बेल बॉन्ड पर साइन किया। दोनों आईपीएल कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के को-पार्टनर्स भी हैं। सलमान खान करना चाहते थे जूही से शादी, पिता ने किया रिजेक्ट-शाहरुख खान और आमिर खान दोनों ने ही जूही चावला के साथ फिल्में की हैं, लेकिन बड़े पर्दे पर कभी भी सलमान खान और जूही की जोड़ी नजर नहीं आई। फिर भी सलमान खान, जूही पर फिदा हो गए थे। एक वक्त ऐसा था जब सलमान, जूही चावला से शादी करना चाहते थे। सलमान ने इसके लिए जूही के पिता से उनका हाथ भी मांग लिया था।



हालांकि, जूही और उनके पिता ने सलमान का प्रपोजल मानने से इनकार कर दिया था। इस बात का खुलासा सलमान ने खुद अपने एक पुराने इंटरव्यू में किया था। सलमान जूही के बारे में बात करते हुए कहते हैं- 'वो बहुत स्वीट हैं। मैंने उनके पिता से शादी के बारे में बात की थी।' इंटरव्यू ले रहे होस्ट ने पूछा कि जूही के पिता ने क्या कहा? तो सलमान कहते हैं कि 'नहीं'। होस्ट ने इसकी वजह पूछी तो सलमान ने कहा, 'उन्होंने साफ मना कर दिया। पता नहीं उन्हें क्या चाहिए था, शायद मैं उनके बिल में फिट नहीं बैठता था।' सलमान आज भी मारते हैं तानाः- जूही ने सलमान की इस बात पर बाद में रिएक्शन भी दिया था। जूही ने न्यूज 18 को दिए इंटरव्यू में कहा था कि जब उन्होंने बिजनेस इन्वेस्टमेंट और आईपीएल टीम केकेआर की बड़ी हिस्सेदारी है। शाहरुख के साथ फिल्में भी कर चुकी हैं प्रोड्यूस जूही चावला ने एक्टिंग के अलावा शाहरुख खान और डायरेक्टर अजीज मिर्जा के साथ मिलकर 'ड्रीम्ज अनलिमिटेड' प्रोडक्शन हाउस की स्थापना की थी। इसी बैनर तले 'फिर भी दिल है हिन्दुस्तानी', 'अशोका' और 'चलते चलते' जैसी फिल्मों का निर्माण जूही चावला कर चुकी हैं। करियर के पीक पर मां का निधन हो गया एक तरफ जूही करियर के ऊंचे पायदान पर खड़ी थीं, तो दूसरी तरफ उनकी पर्सनल लाइफ उतार-चढ़ाव से भरी रही। साल 1998 में जब जूही फिल्म 'डुप्लीकेट' की शूटिंग में बिजी थीं, तब उसी समय एक दुर्घटना में उनकी मां का निधन हो गया था। इसके बाद उनके पिता का भी लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। साल 2010 में उनके भाई बॉबी स्ट्रोक पड़ने के बाद कोमा में चले गए थे और 2014 में 9 मार्च को उनका भी निधन हो गया। जूही ने अपने परिवार वेज लगभग सभी करीबियों को खो दिया था, लेकिन हर मुश्किल में वो मजबूती से खड़ी रहीं।

ट्रेन के नीचे कट सकती थी गर्दन फिल्म 'अर्जुन पंडित' की शूटिंग के दौरान जूही चावला एक बड़ी दुर्घटना से बाल-बाल बची थीं। इस बात का खुलासा उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में किया था। जूही ने बताया था- 'फिल्म के क्लाइमैक्स सीन की शूटिंग रेलवे यार्ड में हो रही थी, जहां मैं और सनी देओल ट्रेंच (गड्ढे) के नीचे छुपे होते हैं। सीन की शूटिंग जारी थी, तभी ट्रेन अचानक से चल देती है। मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि उस ट्रेंच के ऊपर से ट्रेन जा रही थी। अगर मैं उस वक्त थोड़ी सी चूक करती या सिर उठा लेती तो मेरी गर्दन कट जाती। मगर मैं किस्मत से बच गई।



अपने करियर की शुरुआत की तब सलमान खान बड़े स्टार नहीं थे। जूही के मुताबिक, वो करियर के शुरुआती समय में सलमान खान और आमिर खान को उतने अच्छे से नहीं जानती थीं। जूही ने कहा, 'सलमान आज भी मुझे साथ में फिल्म न करने की वजह से ताना मारते हैं। वो जब भी मिलते तो यही कहते हैं कि आपने मेरे साथ कोई भी फिल्म नहीं की। हमने शायद ही किसी फिल्म में साथ काम किया हो, लेकिन हमने एक साथ कई स्टेज शोज किए हैं।' हालांकि फिल्म दीवाना मस्ताना में सलमान का कैमियो रोल था। जूही चावला की जिंदगी से जुड़े जानते हैं कुछ और किस्से-भारत की अभिनेत्रियों में सबसे अमीर हैं जूही हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत की टॉप 6 सबसे अमीर सेल्फ-मेड महिलाओं में शामिल हैं। जूही की नेटवर्थ करीब 7,790 करोड़ रुपए है। जूही और उनके पति जय मेहता वेज पास तमाम

स्वत्वाधिकारी
एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।